वर्ष-14 - अंक 114
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
रविवार,02 अगस्त 2026

RNIÐNoÐ UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhatÐco

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

भजन प्रवाह और कथक नृत्य ने बांधा समां, 22 3

एक कैंटीन से उठा सवालः व्यवस्था का सच आखिर कहाँ है?..... 4

शॉर्ट सर्किट से छप्परपोश पशुशाला में लगी आग में भैंस की जलकर मौत..... 08

यूपी चुनाव की तैयारी तेज, छोटे दल सक्रिय

आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद चन्द्रशेखर ने अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और सिख समाज से जुड़े नेताओं को जिमेदारी सौंपते हुए व्यापक सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति अपनाई है। पार्टी का कहना है कि पहली सूची में बहुजन समाज के विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है, जिससे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा सके। जारी सूची के अनुसार सीतापुर की सेवता विधानसभा सीट की जिमेदारी अंबिका मौर्य, मिश्रिख की सौरभ किशोर और हरगांव की विनीता राजवंशी को दी गई है।

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। एक ओर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने 45 विधानसभा सीटों के प्रभारियों की पहली सूची जारी कर संगठन विस्तार का अभियान शुरू किया है, वहीं राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठनात्मक समन्वय को मजबूत करने के लिए अहम बैठक की। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद चन्द्रशेखर ने अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और सिख समाज से जुड़े नेताओं को जिम्मेदारी सौंपते हुए व्यापक सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति अपनाई है। पार्टी का कहना है कि पहली सूची में बहुजन समाज के विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है, जिससे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा सके। जारी सूची के अनुसार सीतापुर की सेवता विधानसभा सीट की जिम्मेदारी अम्बिका मौर्य, मिश्रिख की सौरभ किशोर और हरगांव की विनीता राजवंशी को दी गई है। वहीं लखनऊ कैंट का प्रभारी अनिकेत धानुक तथा बाराबंकी की कुर्सी विधानसभा का प्रभारी ज्ञानेंद्र वर्मा को बनाया गया है। पार्टी का दावा है कि जल्द ही अन्य विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारियों की भी घोषणा की जाएगी। इधर, विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और रालोद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा के बीच संगठनात्मक समन्वय को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को और अधिक मजबूत बनाने तथा प्रदेश और जिला स्तर पर दोनों दलों के पदाधिकारियों के बीच नियमित संवाद बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों नेताओं ने संगठनात्मक सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान, संयुक्त जनसंपर्क अभियान और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के बेहतर समन्वय पर जोर दिया। बैठक में विधानसभा चुनाव-2027 की रणनीति, प्रदेश के बदलते राजनीतिक परिदृश्य तथा पूर्वांचल सहित पूरे प्रदेश में रालोद के संगठन विस्तार और जनाधार बढ़ाने के मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान रालोद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को उनकी प्रसिद्ध कृति 'गोदान' भेंट की। इस मौके पर रालोद के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी सहित दोनों दलों के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

नीट यूजी काउंसलिंग में लागू होगी नई तकनीकी व्यवस्था

जयपुर(एजेंसी)। नीट यूजी काउंसलिंग-2026 को अधिक पारदर्शी, त्रुटिरहित और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए राजस्थान सरकार ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल ने निर्देश दिए हैं कि राज्य के सभी राजकीय एवं निजी मेडिकल तथा डेंटल कॉलेज मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी), राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) और राज्य काउंसलिंग प्लेटफॉर्म द्वारा जारी नए प्रावधानों का पूरी गंभीरता से पालन करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि काउंसलिंग प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने राज्य के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों के नोडल अधिकारियों तथा संस्थान प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष राज्य की काउंसलिंग व्यवस्था को एमसीसी की नई तकनीकी प्रणाली के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, जिससे प्रवेश प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और अभ्यर्थियों के लिए सुविधाजनक बन सके। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मेडिकल और डेंटल कॉलेज में एक नोडल अधिकारी के साथ दो अलग-अलग सत्यापन अधिकारी नियुक्त किए जाएं। इनमें एक अधिकारी ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन और दूसरा भौतिक दस्तावेजों के सत्यापन का कार्य करेगा। सभी संस्थानों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन सत्यापन पूरा करना होगा। विलंब होने पर संबंधित सीट स्वत: निरस्त हो सकती है। आयुक्त ने कॉलेजों को प्रवेश शुल्क से संबंधित जानकारी तत्काल पोर्टल पर अपडेट करने और सीट त्याग (सीट सरेंडर) की प्रक्रिया भी निर्धारित समय के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य स्तरीय हेल्पडेस्क, कॉल सेंटर, ई-मेल सहायता प्रणाली, सोशल मीडिया सहायता कक्ष तथा हिंदी और अंग्रेजी में चरणबद्ध वीडियो मार्गदर्शिका उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। साथ ही काउंसलिंग अवधि के दौरान अवकाश के दिनों में भी रिपोर्टिंग कार्यालय और हेल्पलाइन सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी नीट यूजी-2026 अभ्यर्थियों से अपील की कि वे नियमित रूप से एमसीसी और राज्य काउंसलिंग पोर्टल पर उपलब्ध सूचनाओं की जानकारी लेते रहें तथा काउंसलिंग में भाग लेने से पहले सूचना पुस्तिका का सावधानीपूर्वक अध्ययन अवश्य करें। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष काउंसलिंग प्रक्रिया को अधिक सरल और सुविधाजनक बनाने के लिए कई नए सुधार लागू किए गए हैं। 'फ्रीज' विकल्प चुनने वाले अभ्यर्थियों को आवंटित कॉलेज में जाकर मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना और प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। वहीं 'फ्लोट' विकल्प चुनने वाले अभ्यर्थियों को अगले चरण में सीट उन्नयन के लिए शत-प्रतिशत ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन की सुविधा मिलेगी। ऐसे विद्यार्थियों को अंतिम आवंटन या तीसरे चरण तक कॉलेज में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने अथवा मूल दस्तावेज जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी। राज्य काउंसलिंग बोर्ड और नीट कोर कमेटी दूसरे चरण के बाद प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों की सत्यापित सूची तत्काल पोर्टल पर अपलोड करेंगे। इससे विभिन्न राज्यों और अखिल भारतीय कोटा में सीट ब्लॉकिंग की समस्या पर रोक लगेगी। रिक्त सीटें समय पर दोबारा काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगी, जिससे अधिक मेरिट वाले अभ्यर्थियों को लाभ मिलेगा। एनआरआई श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए सर्वोच्च न्यायालय और एमसीसी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन की सुविधा लागू की गई है। प्रायोजक (स्पॉन्सर) के वैध अभिभावक होने का प्रमाण-पत्र पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। दिव्यांग अभ्यर्थियों का मूल्यांकन राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के संशोधित मानकों के अनुसार किया जाएगा। इसके लिए स्थायी यूडीआईडी (यूनिक दिव्यांग पहचान) कार्ड अनिवार्य किया गया है।

संक्षिप्त ख़बरें

हाईवे बंद, अमरनाथ यात्रा एक दिन स्थगित

जम्मू। लगातार बारिश और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरम्मत कार्य के चलते शनिवार को श्री अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई। राजमार्ग बंद होने के कारण भगवती नगर यात्री निवास से तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को कश्मीर घाटी के लिए रवाना नहीं किया गया। अधिकारियों के अनुसार उधमपुर जिले के लधा-समरोली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरम्मत का कार्य जारी है। वहीं उधमपुर और रामबन जिलों में लगातार हो रही बारिश से सड़क की स्थिति और खराब हो गई है। भारी वर्षा के कारण सड़क पर कीचड़ जमा हो गया है और कई स्थानों पर फिसलन बढ़ने से यातायात रोकना पड़ा। बताया गया कि एक दिन पहले भी मरम्मत कार्य के कारण राजमार्ग कुछ समय के लिए बंद किया गया था। हालांकि उस दिन तीर्थयात्रियों का काफिला यातायात रोके जाने से पहले ही प्रभावित क्षेत्र से गुजर चुका था। बाद में हुई बारिश ने मरम्मत कार्य की रफ्तार धीमी कर दी और सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो गई। शनिवार को भी क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश जारी रही।

पप्पू यादव के बयान के विरोध में प्रदर्शन

लखनऊ। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद ने शनिवार को गोमती नगर स्थित विशाल खंड-2 कार्यालय पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के कथित बयान के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूंका तथा सार्वजनिक माफी की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने किया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म, साधु-संतों और धार्मिक परंपराओं को लेकर की गई कथित टिप्पणी से करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उनका कहना था कि किसी एक व्यक्ति के आचरण के आधार पर पूरे संत समाज पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। गोपाल राय ने कहा कि संत परंपरा भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकार की टिप्पणियां समाज में भ्रम फैलाने का कार्य करती हैं। परिषद लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से इसका विरोध जारी रखेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पप्पू यादव द्वारा पहने गए कुर्ते पर श्रीराम मंदिर का चित्र अंकित था। उनका कहना था कि श्रीराम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है और उससे जुड़े किसी भी विषय पर संवेदनशीलता बरती जानी चाहिए।

8 अगस्त को प्रयागराज में छात्रों से संवाद करेंगे राहुल

प्रयागराज(एजेंसी)। कांग्रेस शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और रोजगार के मुद्दों को लेकर उत्तर प्रदेश में अपने राजनीतिक अभियान को नई धार देने जा रही है। इसी क्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित केपी ग्राउंड में आयोजित 'छात्र संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। पार्टी का दावा है कि इस कार्यक्रम में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में छात्र, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी और युवा भाग लेंगे। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने शनिवार को बताया कि राहुल गांधी कार्यक्रम के दौरान छात्रों से सीधे संवाद करेंगे। इस दौरान शिक्षा व्यवस्था, भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियां, पेपर लीक, बढ़ती शैक्षणिक लागत, छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालयों के माहौल और रोजगार जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। पार्टी के अनुसार, कार्यक्रम में शामिल होने के लिए डेढ़ लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया है। कांग्रेस का कहना है कि यह कार्यक्रम उसके देशव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान का तीसरा चरण है। अभियान की शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से हुई थी, जबकि दूसरा चरण 17 जुलाई को देहरादून में आयोजित किया गया। तीसरे चरण का कार्यक्रम पहले 9 अगस्त को दिल्ली में प्रस्तावित था, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के बाद इसे 8 अगस्त को प्रयागराज में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पार्टी के अनुसार, कार्यक्रम में प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी सहित पूर्वांचल के कई जिलों से छात्र और युवा शामिल होंगे। कांग्रेस इसे युवाओं की समस्याओं को सीधे सुनने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की पहल के रूप में प्रस्तुत कर रही है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कांग्रेस संगठन ने व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। हाल के दिनों में पार्टी की विशेष टीम ने प्रयागराज में संभावित आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया था, जिसके बाद केपी ग्राउंड को अंतिम रूप दिया गया। तैयारियों की समीक्षा के लिए रविवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के प्रयागराज पहुंचने का कार्यक्रम है। दोनों नेता स्थानीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। कांग्रेस का लक्ष्य इस कार्यक्रम के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को जोड़ना और शिक्षा व रोजगार से जुड़े मुद्दों पर केंद्र तथा राज्य सरकार को घेरना है।

चमियारी चौकी हमले के चार आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर(एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने 'वार अगेंस्ट गैंगस्टर्स' अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर ग्रामीण क्षेत्र की चमियारी पुलिस चौकी पर हुए हमले के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान समर्थित आईएसआई हैंडलर के संपर्क में थे और उसी के निर्देश पर उन्होंने चौकी पर ज्वलनशील पदार्थ फेंककर हमला किया। पुलिस का दावा है कि इस वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों को विदेश से आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना अजनाला थाना क्षेत्र की चमियारी पुलिस चौकी पर हुई थी, जहां मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने चौकी पर ज्वलनशील पदार्थ फेंककर दहशत फैलाने की कोशिश की। घटना के तुरंत बाद थाना अजनाला में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विशेष जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग मिले, जिनके आधार पर चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनका संपर्क सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान समर्थित आईएसआई हैंडलर से हुआ था। जांच एजेंसियों के अनुसार, हैंडलर के निर्देश पर ही हमले की योजना बनाई गई और उसे अंजाम देने के लिए धनराशि भी भेजी गई थी। पंजाब पुलिस ने बताया कि फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है। जांच एजेंसियां इस साजिश के पूरे नेटवर्क, विदेशी संपर्कों, फंडिंग चैनल, बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक तथा इसमें शामिल अन्य संदिग्धों की पहचान करने में जुटी हैं।

महिला आरक्षण पर सरकार को कांग्रेस ने घेरा

नूंह(एजेंसी)। हरियाणा कांग्रेस ने महिला आरक्षण, छात्रों के मुद्दों, दलित कल्याण योजनाओं और भ्रष्टाचार को लेकर केंद्र तथा राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। शनिवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के हरियाणा प्रभारी संजय दत्त के मार्गदर्शन और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में नूंह जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी तथा नूंह, पुनहाना और फिरोजपुर झिरका विधानसभा क्षेत्रों की संगठनात्मक बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शाहिदा खान, विधायक आफताब अहमद, विधायक मामन खान, जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए संजय दत्त ने कहा कि कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करेगी और संगठन को गांव-गांव तथा बूथ स्तर तक मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क अभियान तेज करने और भाजपा सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों को जनता के बीच प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया।

एयर मार्शल तेजपाल सिंह बने भारतीय वायुसेना के नए डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय वायुसेना में वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल तेजपाल सिंह एवीएसएम, वीएम ने शनिवार को डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ (डीसीएएस) का पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एयर मार्शल तेजपाल सिंह को 16 जून 1990 को भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट के रूप में कमीशन मिला था। अपने 36 वर्ष से अधिक लंबे सैन्य करियर में उन्होंने 3,500 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव हासिल किया है। वह कैटेगरी-ए क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट भी हैं। उन्होंने भारतीय वायुसेना में कई महत्वपूर्ण ऑपरेशनल, कमांड और स्टाफ नियुक्तियों पर अपनी सेवाएं दी हैं। उत्कृष्ट और विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें जनवरी 2011 में वायु सेना मेडल (वीएम) तथा जनवरी 2021 में अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम) से भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया था।

एयर मार्शल तेजपाल सिंह ने यह जिम्मेदारी एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती एसवाईएसएम, एवीएसएम, वीएम से संभाली है। एयर मार्शल भारती 31 जुलाई 2026 को 39 वर्षों की गौरवपूर्ण और विशिष्ट सैन्य सेवा पूरी करने के बाद सेवानिवृत्त हुए। भारतीय वायुसेना ने उनके योगदान की सराहना करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा में उनके लंबे और समर्पित कार्यकाल के लिए सम्मान व्यक्त किया।

वहीं, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना की परिचालन तैयारियों में अहम भूमिका निभाने वाले वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद ने शनिवार को नौसेना के उप प्रमुख का पदभार संभाल लिया।

रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि वह वाइस एडमिरल तरुण सोबती की जगह लेंगे। वाइस एडमिरल तरुण सोबती, जो उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित हैं, शुक्रवार को सेवा सेवानिवृत्त हो गए।

पप्पू यादव का विरोध प्रदर्शन सनातन धर्म का अपमानः घनश्याम तिवारी

जयपुर(एजेंसी)। भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी ने संसद परिसर के बाहर सांसद पप्पू यादव के प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन को सनातन धर्म का अपमान बताया। उन्होंने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कल हमें संसद परिसर के पास जो कुछ भी देखने को मिला, उसने संसदीय परंपराओं को तार-तार करके रख दिया। पप्पू यादव ने जिस तरह से सनातन धर्म का अपमान किया, वो निंदनीय है। एक साधु का भेष धारण करके पप्पू यादव ने सनातन धर्म का तिरस्कार किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। दुख की बात यह रही है कि राहुल गांधी भी इसमें हिस्सा लेते हुए नजर आए। भाजपा सांसद के मुताबिक, यह पूरा कार्यक्रम साधु संतों को अपमान करने वाला रहा है। संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला यह पूरा कार्यक्रम रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। इस पूरी घटना की लोकसभा के अध्यक्ष ने भी निंदा की है और हम भी निंदा करते हैं। उन्होंने विपक्षी दलों के रवैये पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि विपक्षी दल संसद में होने वाली चर्चाओं में भाग नहीं लेते हैं। जब कभी संसद में किसी अहम विषय पर चर्चा होती है तो विपक्षी दल उसमें हिस्सा लेने की जगह बाहर किसी न किसी प्रकार का ड्रामा करते हुए नजर आते हैं। ये लोग इस तरह का व्यवहार करते हैं, जैसे कोई फैशन शो चल रहा है। आखिर इस देश में क्या हो रहा है। विपक्षी दलों का रवैया लगातार आलोचना के घेरे में है। अब देखना होगा कि ये पूरा सिलसिला कब तक जारी रहेगा। भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी ने कहा कि जब कभी-भी सत्तापक्ष संसद में चर्चा के लिए अपने कदम आगे बढ़ाता है, तो विपक्षी दलों को कुछ समझ नहीं आता है कि क्या किया जाए। उनके हाथ खाली रह जाते हैं। उनके पास कोई मुद्दा नहीं बचता है। कुल मिलाकर जब बात सार्थक चर्चा की आती है, तो उनके पास कुछ भी बोलने के लिए नहीं होता है। इससे उनका पूरा रवैया राजनीतिक दृष्टि से संदेह के घेरे में ही नजर आता है, जिससे कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद के मानसून सत्र में इस बार विपक्षी दलों ने जिस तरह का व्यवहार दिखाया है, वो निंदनीय है, उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। विपक्षी दलों का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने पंचायत और निकाय चुनाव को लेकर भी अपनी बात रखी। उनके मुताबिक, इन चुनावों को लेकर विभिन्न प्रकार की समिति का गठन किया चुका है। यह चुनाव हम पूरे दमखम के साथ लड़ेंगे। इस संबंध में हमने पूरी रूपरेखा निर्धारित कर ली है।

जौनपुर में पुलिस मुठभेड़ में अपराधी घायल, दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के खुटहन थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ हुई। इस दौरान एक अंतरजनपदीय हिस्ट्रीशीटर बदमाश पुलिस की गोली से घायल हो गया, पुलिस ने मौके से उनके साथी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्तौल, एक कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को खुथान पुलिस दल अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत वाहनों की जांच कर रहा था। इस अभियान के दौरान अधिकारियों ने सुइथाखुर्द नहर के पुलिया के पास मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के पास आकर दोनों बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसके एक आरोपी के बाएं पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी की पहचान जौनपुर जिले के सरपथन निवासी रिंकू यादव उर्फ ओमप्रकाश यादव के रूप में हुई, जिसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

इस अभियान के दौरान उसके साथी सत्यम लोना उर्फ लल्लू को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जो अंबेडकर नगर जिले के जलालपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के शाहपुर फिरोजपुर गांव का निवासी है। घायल आरोपी को तत्काल खुथान स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

संक्षिप्त खबरें

डीएम साहब... मेरे पापा को न्याय दिला दीजिए '

रूद्रपुर,देवरिया। रुद्रपुर तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस उस समय संवेदनशील हो गया, जब एक मासूम बच्चा अपने परिजनों के साथ जिलाधिकारी के सामने पहुंचा और भर्राई आवाज में बोला, 'साहब... मेरे पापा को न्याय दिला दीजिए।' बच्चे की यह मार्मिक गुहार सुनकर वहां मौजूद अधिकारी, कर्मचारी और फरियादी भी कुछ पल के लिए भावुक हो गए। दरअसल, दो दिन पहले एकौना थाना के मराछी टोला निवासी रामप्रीत साहनी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि यह हादसा एक पुलिसकर्मी के वाहन की टक्कर से हुआ। घटना के विरोध में ग्रामीणों और परिजनों ने एकौना थाना क्षेत्र के बजरंग चौराहे पर शव रखकर सड़क जाम कर प्रदर्शन भी किया था। उनका कहना है कि अब तक दोषी के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है।इस दौरान साथ आए मासूम बच्चे ने भी जिलाधिकारी से अपनी बात कहने की इच्छा जताई। जब परिजन उसे रोकने लगे तो जिलाधिकारी ने स्वयं उसे बोलने का अवसर दिया। बच्चे ने मासूमियत के साथ अपने पिता को न्याय दिलाने और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मासूम की गुहार को देखते हुए जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवार को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाते हुए कहा कि जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

लापता किराना व्यापारी चार दिन बाद भी नहीं मिला सुराग; पुलिस तलाश में जुटी

सहजनवा गोरखपुरः सहजनवा थाना क्षेत्र के वार्ड 4 केशोपुर निवासी विनोद कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय रामकेश गुप्ता, 54 वर्ष जो मंडी परिषद के पास किराने की दुकान चलाते है। मंगलवार सुबह 28 जुलाई को बिना किसी को बताए घर से निकल गए थे। काफी समय तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित स्थानों पर उनकी तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद मामले की सूचना सहजनवा थाने में दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया है।

सरकारी कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप, समाधान दिवस में पहुंची शिकायत

बांगरमऊ। नगर के हरदोई रोड स्थित दरगाह शेखुल औलिया एवं सरकारी कब्रिस्तान की भूमि पर कथित अवैध कब्जे का मामला एक बार फिर प्रशासन के समक्ष पहुंच गया है। दरगाह एवं सरकारी कब्रिस्तान के प्रबंधक ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। दरगाह एवं सरकारी कब्रिस्तान के प्रबंधक असद अली ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि गाटा संख्या 636 एवं 638 पर सरकारी कब्रिस्तान तथा दरगाह स्थित है। इसके समीप स्थित गाटा संख्या 639 ग्राम दुल्लापुरवा निवासी ललतू पुत्र चैत एवं कल्लू पुत्र ललतू के नाम दर्ज है। आरोप है कि दोनों व्यक्ति अपनी भूमि की आड़ में सरकारी कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रार्थना पत्र के अनुसार, इस मामले की शिकायत पूर्व में भी उपजिलाधिकारी से की गई थी। एसडीएम के निर्देश पर लेखपाल एवं कानूनगो ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान राजस्व अधिकारियों ने सरकारी कब्रिस्तान की भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि की। हालांकि अधिकारियों ने पुलिस बल के अभाव में कब्जा हटाने में असमर्थता जताई। संपूर्ण समाधान दिवस में दिए गए शिकायती पत्र में असद अली ने प्रशासन से पुलिस बल उपलब्ध कराकर सरकारी कब्रिस्तान की भूमि को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराने तथा भविष्य में दोबारा कब्जा न होने देने के लिए स्थायी एवं प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर क्षेत्र के लोगों की नजर अब प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है। वहीं, आरोपों के संबंध में संबंधित पक्ष का पक्ष सामने नहीं आया है। प्रशासन की जांच और कार्रवाई के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

वैभव हत्याकांडः खजनी में नेताओं का लगा तांता

» पीड़ित परिवार से मिले भाजपा विधायक और कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष; कानून व्यवस्था पर गरमाई सियासत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो- शत्रुघ्न मणि त्रिपाठी

खजनी/गोरखपुर। खजनी क्षेत्र में हुए चर्चित वैभव हत्याकांड को लेकर शनिवार को भी पीड़ित परिवार के घर जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक नेताओं का पहुंचना जारी रहा। घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। न्याय की मांग को लेकर लगातार राजनीतिक दलों के नेता पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधा रहे हैं और प्रशासन से दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। शनिवार को कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष विश्व विजय सिंह तथा भाजपा के हाटा विधायक मोहन वर्मा पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। दोनों नेताओं ने परिवार से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली और शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से भी उन्होंने बातचीत की।

भाजपा विधायक मोहन वर्मा ने अधिकारियों से कहा कि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाना चाहिए और कानून के अनुसार सभी दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। वहीं कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष विश्व विजय सिंह ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह असफल साबित हो रही है। उनका आरोप था कि गोरखपुर में लगातार जघन्य अपराध सामने आ रहे हैं, फिर भी अपराधियों में पुलिस और कानून का भय दिखाई नहीं दे रहा है।

उन्होंने कहा कि एक ओर जेल से बंदी फरार हो रहे हैं, दूसरी ओर मासूम बच्चियों के साथ अपराध की घटनाएं सामने आ रही हैं। नाबालिग बच्चों की हत्या जैसी दर्दनाक घटनाएं प्रदेश की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती हैं। उन्होंने कहा कि जनता जानना चाहती है कि आखिर कानून का राज कहां है और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं हो पा रहा है। वैभव हत्याकांड को लेकर क्षेत्र में लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोग और व्यापारी संगठन भी दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। पूरे मामले पर प्रशासन की कार्रवाई और आगे की जांच पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

भोलेनाथ की भक्ति में डूबा चौकी परिसर

शिव मंदिर में चल रहे सावन के भजन-कीर्तन पर जमकर थिरके श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। सावन के पवित्र महीने में चारों ओर शिव भक्ति की बयार बह रही है। इसी क्रम में परसामलिक थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेवतरी पुलिस चौकी परिसर में स्थित शिव मंदिर में एक भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा चौकी परिसर बाबा भोलेनाथ के जयकारों और भक्तिमय भजनों से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम के दौरान माहौल उस समय बेहद खास और आनंदमयी हो गया जब मंदिर के मुख्य पुजारी जगदीश प्रसाद भजनों की मधुर धुन पर खुद को रोक नहीं पाए और भक्ति में लीन होकर जमकर थिरके। उन्हें भक्ति के रंग में डूबा देख वहां मौजूद अन्य श्रद्धालु भी झूमने पर मजबूर हो गए। इस आयोजन में खाकी का भी एक बेहद मानवीय और संवेदनशील रूप देखने को मिला, जहां कानून व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों ने अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ पल निकालकर पूरी श्रद्धा के साथ भगवान शिव की आराधना की। सेवतरी चौकी प्रभारी पवन कुमार राय, कांस्टेबल जितेश कुमार, मुकेश कुमार सिंह, रविशंकर, शुभांक शेखर सहित अन्य पुलिस स्टाफ और स्थानीय संभ्रांत नागरिकों ने कीर्तन का भरपूर आनंद लिया। पुलिसकर्मियों ने न केवल इस धार्मिक आयोजन में हिस्सा लिया बल्कि आरती और प्रसाद वितरण की व्यवस्था में भी सहयोग किया। सावन मास के इस विशेष आयोजन ने पुलिस और जनता के बीच के समन्वय को और मजबूत करने का काम किया। देर रात तक चले इस कीर्तन में पूरा क्षेत्र शिवभक्ति के अनूठे रस में सराबोर नजर आया और अंत में सभी उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद वितरित कर सुख-समृद्धि की कामना की गई।

कैर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक नवविवाहिता की अचानक हुई मौत

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के कैर गांव में शुक्रवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में एक नवविवाहिता की अचानक मौत हो गई। इस दुखद घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका की पहचान कोमल पत्नी अनिल गुप्ता के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मिल एरिया थाना क्षेत्र के संदी नागिन गांव की रहने वाली कोमल का विवाह महज पांच माह पूर्व, 21 मार्च को कैय गांव निवासी अनिल गुप्ता के साथ हुआ था। मृतका की सास कांती ने बताया कि शुक्रवार की शाम कोमल घर में काम कर रही थी, तभी अचानक उसके पेट में तीव्र दर्द उठा। हालत बिगड़ती देख परिजन आनन-फानन में एम्बुलेंस की मदद से उसे सीएचसी महराजगंज ले गए। जहां तैनात चिकित्सक डॉ. अनिल भारद्वाज ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। इस संबंध में कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा और उसी के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मांगों के समर्थन में लेखपालों का अल्टीमेटम

पांच अगस्त से अतिरिक्त हल्कों का कार्य बंद करने की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ, उपशाखा मोहनलालगंज ने शनिवार को तहसील समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी आकाश सिंह को मुख्यमंत्री एवं राजस्व परिषद के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर वर्षों से लंबित मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि लेखपालों पर राजस्व प्रशासन, नामांतरण, वरासत, पैमाइश, ई-गवर्नेंस और आपदा प्रबंधन सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यों का दायित्व है, लेकिन उनकी विभिन्न न्यायोचित मांगें लंबे समय से लंबित हैं। इससे प्रदेश भर के लेखपालों में असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में अंतर्मंडलीय स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल दोबारा खोले जाने, चयन वर्ष 2025-26 की पदोन्नति सूची जारी करने, चयन वर्ष 2024 की विभागीय परीक्षा का परिणाम और प्रशिक्षण प्रमाणपत्र घोषित करने, स्टेशनरी, वाहन एवं विशेष भत्तों में वृद्धि करने तथा भूलेख एवं अन्य कार्यालयी पटलों से संबद्ध लेखपालों को मूल कार्य पर वापस भेजने की मांग की गई। साथ ही ग्राम सचिवालयों में पर्याप्त आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए बिना लगाए जा रहे रोस्टर का भी विरोध दर्ज कराया गया। लेखपाल संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो पांच अगस्त से प्रदेश के सभी लेखपाल अतिरिक्त हल्कों का कार्य बंद कर उनका प्रभार संबंधित कार्यालयों में जमा कर देंगे। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं होने पर ऑनलाइन कार्यों का भी बहिष्कार किया जाएगा। संघ का कहना है कि आंदोलन का उद्देश्य जनहित प्रभावित करना नहीं, बल्कि शासन का ध्यान वर्षों से लंबित न्यायोचित मांगों की ओर आकर्षित करना है। इस दौरान तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार, तहसील मंत्री विकास दीक्षित ,

ज्ञापन में अंतर्मंडलीय स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल दोबारा खोले जाने, चयन वर्ष 2025-26 की पदोन्नति सूची जारी करने, चयन वर्ष 2024 की विभागीय परीक्षा का परिणाम और प्रशिक्षण प्रमाणपत्र घोषित करने, स्टेशनरी, वाहन एवं विशेष भों में वृद्धि करने तथा भूलेख एवं अन्य कार्यालयी पटलों से संबद्ध लेखपालों को मूल कार्य पर वापस भेजने की मांग की गई।

समाधान दिवस में सुनी गई शिकायतें

गोंडा। तहसील सदर में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस उप महानिरीक्षक (देवीपाटन परिक्षेत्र) अशोक शुक्ला एवं मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद ने जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।समाधान दिवस में कुल 174 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 05 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 169 शिकायतों को संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण के लिए आवश्यकतानुसार टीम गठित कर स्थलीय जांच कराई जाए। जांच के दौरान दोनों पक्षों को मौके पर बुलाकर उनकी बात सुनी जाए तथा निष्पक्ष ढंग से प्रकरणों का निस्तारण किया जाए। उन्होंने अवैध अतिक्रमण, चकरोड, तालाब की भूमि, नाली एवं अन्य राजस्व विवादों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही निस्तारण प्रक्रिया की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराने पर भी बल दिया।उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतलाल, उपजिलाधिकारी सदर जितेंद्र गौतम, तहसीलदार मनीष कुमार, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत, ग्राम प्रधान ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सौंपा प्रार्थना पत्र

भदोही। तहसील भदोही में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्राम पंचायत महदेपुर की ग्राम प्रधान पराना देवी ने सरकारी भूमि पर कथित अवैध कब्जे की शिकायत करते हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राम सभा की आराजी संख्या 286 रकबा 0.030 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर एक व्यक्ति द्वारा मकान बनाकर कब्जा कर लिया गया है। प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया है कि इस संबंध में पूर्व में उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत कार्रवाई भी की गई थी, लेकिन अब तक भूमि को कब्जामुक्त नहीं कराया गया। ग्राम प्रधान ने प्रशासन से अवैध कब्जा हटवाकर सरकारी भूमि को मुक्त कराने और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

बढ़ रहे हत्या और बलात्कार की रोकथाम के लिये किया प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन

सहजनवा/गोरखपुरः शनिवार को दलित शोषित कल्याण समिति के तत्वाधान में प्रवीण कुमार के नेतृत्व में करीब एक दर्जन की संख्या में कार्यकर्ताओं ने देश और प्रदेश में बढ़ रहे हत्या और बलात्कार की रोकथाम के लिये तहसील मुख्यालय में प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन तहसीलदार सहजनवा राकेश कन्नौजिया को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व के रहे प्रवीण कुमार ने कहा कि देश और प्रदेश में बलात्कार तथा महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध जघन्य अपराधों में निरंतर वृद्धि हो रही है। जिसको लेकर आमजन में भय और आक्रोश बढ़ा हुआ है। इन सब घटनाओं में साक्ष्य मिलने पर आरोपी व्यक्ति को 90 दिन के अंदर फांसी की सजा दिया जाय। जिससे अपराधियों में कानून का भय बना रहेगा। और पीड़ित के स्वजन को त्वरित न्याय मिल सकेगा। ज्ञापन सौंपने वालो में शैलेश भारती,आशुतोष,राहुल, रोहन, निकेत,विक्रांत गोंड सहित अनेक लोग मौजूद थे।

पत्नी से विवाद के बाद लापता क्लीनिक संचालक 24 घंटे में सकुशल मिला

......निगोहां पुलिस ने कार समेत युवक को बरामद किया, धार्मिक स्थलों पर घूमने की बात बताई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां /लखनऊ। पत्नी से घरेलू विवाद के बाद घर छोड़कर निकले एक युवक को निगोहां पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवक अपनी कार से बिना किसी को बताए घर से निकल गया था, जिसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी निरीक्षक रवींद्र कुमार ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे ग्राम नयाखेड़ा मजरा अधैया निवासी दयाशंकर मौर्य ने तहरीर देकर बताया कि उनका 29 वर्षीय पुत्र बृजेश कुमार मौर्य, जो भटपुरा स्थित बालाजी पॉलीक्लीनिक का संचालक है, गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे अपनी ब्रेजा कार (यूपी-32 एमसी-8493) से क्लीनिक से बिना बताए कहीं चला गया। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था। तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी एवं मैनुअल सर्विलांस तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर शनिवार को भटपुरा चौराहे के पास युवक को उसकी कार सहित सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में बृजेश कुमार ने बताया कि पत्नी से घरेलू बातों को लेकर विवाद होने के बाद वह मानसिक तनाव में घर से निकल गया था। इस दौरान वह लखनऊ के आसपास स्थित धार्मिक स्थलों पर घूमता रहा और मेहंदीपुर बालाजी दर्शन के लिए जाने की योजना बना रहा था। पुलिस ने आवश्यक विधिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद युवक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

तहसील में डीएम एवं एसपी ने सुनीं फरियाद,10 मामलों का निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने शनिवार को रुद्रपुर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याओं की सुनवाई की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त जनसमस्याओं का त्वरित, वास्तविक एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 92 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए। सर्वाधिक 49 प्रकरण राजस्व विभाग,पुलिस विभाग एवं विकास विभाग के 8-8, खाद्य एवं रसद विभाग के 7 तथा अन्य विभागों के 20 प्रकरण प्राप्त हुए। राजस्व के 10 मामलों का निस्तारण किया गया।संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ए के गुप्ता, उपजिलाधिकारी रुद्रपुर राजकुमार गुप्ता, उप संचालक चकबंदी पवन कुमार पांडेय, तहसीलदार चंद्रशेखर वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने तहसीलदार न्यायालय का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार को रुद्रपुर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग करने से पूर्व तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुराने लंबित राजस्व वादों की पत्रावलियों का अवलोकन कर तहसीलदार को प्राथमिकता के आधार पर उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के समक्ष ग्राम वारीडीहा निवासी पौहारी ने भूमिधरी भूमि पर अवैध कब्जे, ग्राम बनियइनी निवासी रामकेवल ने अपनी भूमि पर अवैध कब्जे, ग्राम माहीगंज निवासी सोमनाथ ने वरासत में नाम दर्ज न होने तथा ग्राम रामचक निवासी दीनानाथ ने सीमांकन एवं पैमाइश कराकर अवैध कब्जा हटवाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत की।

डीएम के निर्देश पर तत्काल सुधरा राजस्व रिकॉर्ड, फरियादी को मिली राहत

ग्राम जद्दु परसिया निवासी एक फरियादी अपने खतौनी में नाम गलत दर्ज होने की

शिकायत लेकर आज रुद्रपुर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के समक्ष उपस्थित हुई। उसने निवेदन किया कि राजस्व अभिलेखों में उसका नाम गलत अंकित हो गया है, जिसे संशोधित कराया जाए। जिलाधिकारी ने फरियादी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी एवं राजस्व कर्मियों को निर्देश दिया कि तत्काल नाम संशोधन कर सही खतौनी उपलब्ध कराई जाए। तत्काल संशोधित कर नई खतौनी तैयार कराई गई।जिलाधिकारी ने स्वयं अपने हाथों से संशोधित खतौनी फरियादी को प्रदान की।

पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार,भेजा गया जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक पुलिस टीम ने पॉक्सो एक्ट सहित तमाम गंभीर धाराओं में वांछित चल रहे एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के असुरैना गांव निवासी अफताब (24) पुत्र नेवास के रूप में हुई है। मामले में पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत असुरैना निवासी अफताब पुत्र नेवास बीएनएस के धाराओं में वांछित चल रहा था। जिसके विरुद्ध धारा 137(2), 87, 64 और 3/4 पॉक्सो एक्ट जैसी संगीन धाराओं में मामला दर्ज था। घटना के बाद से ही आरोपी पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। वहीं मुखबिर की सटीक सूचना और कुशल रणनीति के बल पर थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, उपनिरीक्षक घनश्याम सिंह यादव, कांस्टेबल रामप्रवेश गौड़, लालजी गौड़ और कांस्टेबल उमेश प्रसाद ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को उसके मंसूबों में नाकाम कर दबोच लिया। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

ओवरलोड वाहनों से जर्जर हुई सड़क, हादसों का खतरा

उन्नाव। विकासखंड सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र का सहजनी-शंकरपुर मार्ग ओवरलोड वाहनों की आवाजाही के चलते बदहाल हो गया है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की खराब हालत को लेकर कई बार लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ। बरसात के कारण गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ गया है। ग्रामीणों ने ओवरलोड वाहनों पर रोक लगाने और सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जर्जर मार्ग से आवागमन करना मुश्किल हो गया है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि सड़क की स्थिति की जानकारी मिली है। जल्द ही आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा।

29 लाख रुपये के लेनदेन का विवाद बना जांच का केंद्र

» चार मौतों के मामले में भाई की तहरीर पर पुलिस सक्रिय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। कोतवाली देहात क्षेत्र के झौंना गांव में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के मामले में जांच दूसरे दिन नए मोड़ पर पहुंच गई। मृतक बजरंगी गिरी के बड़े भाई राजेश गिरी ने कोतवाली देहात में तहरीर देकर करीब 29 लाख रुपये के कथित लेनदेन को पूरे घटनाक्रम की मुख्य वजह बताया है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि उधार दी गई रकम वापस न मिलने से बजरंगी गिरी लंबे समय से मानसिक तनाव में थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच तेज करते हुए मोबाइल फोन, कथित वीडियो, आर्थिक लेनदेन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की पड़ताल शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 31 जुलाई की शाम झौंना गांव स्थित घर में बजरंगी गिरी, उनकी पत्नी कोमल (25), तीन वर्षीय पुत्री श्रद्धा और करीब एक वर्षीय पुत्र ज्योतिदीप मृत पाए गए थे। पुलिस की प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया यह बात सामने आई थी कि बजरंगी गिरी ने पहले पत्नी और दोनों बच्चों की गोली मारकर हत्या की और बाद में स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मौके से तमंचा, कारतूस तथा अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद कर फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं।

भाई ने तहरीर में लगाए गंभीर आरोप मृतक के बड़े भाई राजेश गिरी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि घटना की सूचना उन्हें छोटे भाई राम गिरी ने फोन पर दी थी। मौके पर पहुंचने पर चारों शव घर के भीतर पड़े मिले। उन्होंने घटनास्थल पर मौजूद तमंचा और कारतूस पुलिस को सौंप दिए। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि बजरंगी गिरी गांव के लोगों की आर्थिक सहायता किया करते थे। इसी क्रम में उन्होंने ललिया थाना क्षेत्र के लालपुर निवासी चंद्रभान गिरी उर्फ दद्दन गिरी को करीब 29 लाख रुपये उधार दिए थे। आरोप है कि यह रकम एक अन्य व्यक्ति की गारंटी पर दी गई थी। तहरीर के अनुसार गारंटर ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी, लेकिन मूल उधार लेने वाले ने कई बार मांगने के बावजूद रकम वापस नहीं की। परिजनों का कहना है कि इसी कारण बजरंगी गिरी लगातार मानसिक तनाव में रहने लगे थे। **मोबाइल वीडियो की भी होगी वैज्ञानिक जांच** परिजनों ने दावा किया है कि घटना से पहले बजरंगी गिरी ने अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। उनका कहना है कि वीडियो में उन्होंने अपनी पत्नी, बच्चों और स्वयं की मौत के लिए संबंधित व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने मृतक के दो मोबाइल फोन कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरू कर दी है। वीडियो की रिकॉर्डिंग का समय, उसकी प्रामाणिकता तथा उसमें किए गए दावों का फोरेंसिक परीक्षण कराया जाएगा।

लेनदेन के दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य भी खंगाले जाएंगे पुलिस अब कथित 29 लाख रुपये के लेनदेन की भी गहन जांच करेगी। जांच में यह देखा जाएगा कि रकम का लेनदेन किस माध्यम से हुआ, क्या इसके बैंक

रिकॉर्ड, लिखित दस्तावेज, गवाह, कॉल डिटेल, चैट या अन्य डिजिटल साक्ष्य उपलब्ध हैं। यदि तहरीर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है तो जांच उसी दिशा में आगे बढ़ाई जाएगी।

फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार पुलिस मोबाइल फोन की कॉल डिटेल, चैट, बैंकिंग लेनदेन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण करा रही है। वहीं घटनास्थल से बरामद हथियार की बैलिस्टिक जांच और पोस्टमार्टम से जुड़े वैज्ञानिक साक्ष्यों की रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है। इन सभी रिपोर्टों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट तस्वीर सामने आने की उम्मीद है।

एसपी बोले— हर पहलू की हो रही निष्पक्ष जांच पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि मृतक के मोबाइल फोन से एक वीडियो मिला है, जिसकी जांच की जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर भी प्राप्त हुई है। वीडियो में किए गए दावों, कथित आर्थिक लेनदेन, डिजिटल साक्ष्यों तथा तहरीर में लगाए गए आरोपों का सत्यापन कराया जा रहा है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

केजीएमयू में संचारी रोगों से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश शासन के विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत शनिवार को विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'मानसून सुरक्षा आपकी जिम्मेदारी - संचारी रोगों से बचाव हमारी प्राथमिकता' रखा गया। इसका उद्देश्य मानसून के दौरान बढ़ने वाले डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और अन्य संचारी रोगों की रोकथाम एवं बचाव के प्रति लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. विमला वेंकटेश ने किया। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए केवल चिकित्सा सुविधाएं ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि जनभागीदारी भी बेहद जरूरी है। लोगों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और रोगों से बचाव के उपायों को अपनाने के लिए जागरूक होना होगा। उन्होंने बताया कि

डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर गंदे पानी में नहीं, बल्कि साफ और रुके हुए पानी में पनपता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्रत्येक सप्ताह अपने घरों और आसपास जमा पानी की जांच करें। कूलर, गमले, बाल्टी, छत की टंकी, पुराने टायर और अन्य स्थानों पर जमा पानी को नियमित रूप से हटाएं। उन्होंने कहा कि सप्ताह में केवल दस मिनट का निरीक्षण भी मच्छरों के प्रजनन को रोकने में काफी प्रभावी साबित हो सकता है। कार्यक्रम के दौरान माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एमडी रेजिडेंट डॉक्टरों ने संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण विषय पर पोस्टर प्रस्तुति दी। इसके अलावा हाथों की सही स्वच्छता, ओआरएस घोल बनाने की विधि, मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान और मच्छररोधी उपायों के सही इस्तेमाल का प्रदर्शन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में 'मिथक बनाम तथ्य' सत्र और इंटरएक्टिव क्विज का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को संचारी रोगों से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर लोगों के सवालों के जवाब दिए। विशेषज्ञ परिचर्चा में मानसून के दौरान होने वाले संक्रमणों की पहचान, समय पर चिकित्सकीय परामर्श, एंटीबायोटिक दवाओं के सही उपयोग और एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर जांच और उपचार कराना गंभीर जटिलताओं से बचा सकता है। समापन अवसर पर माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. शीतल वर्मा ने कहा कि मानसून में बुखार के शुरुआती 24 घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। लगातार रहने वाले बुखार को हल्के में नहीं लेना चाहिए और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने लोगों को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेने, अनावश्यक एंटीबायोटिक के प्रयोग से बचने और समय पर जांच कराने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि समय पर जांच कराने से डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, लेप्टोस्पायरोसिस और वायरल संक्रमणों की सही पहचान संभव होती है, जिससे मरीज को उचित इलाज समय पर मिल पाता है। कार्यक्रम में प्रो. आर.के. कल्याण, प्रो. प्रशांत गुप्ता, डॉ. पारुल जैन, डॉ. सुरुचि शुक्ला, डॉ. वसुधा केसरवानी, डॉ. सर्वोदय त्रिपाठी सहित विभाग के संकाय सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर, छात्र-छात्राएं, वैज्ञानिक, शोधार्थी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भजन प्रवाह और कथक नृत्य ने बांधा समां, 22 गुरुजनों का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कलामंडपम् प्रेक्षागृह, कैसरबाग में भातखण्डे एलुमनी एसोसिएशन एवं भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'पद्म भूषण डॉ0 एस0एन0 रतनजंकर स्मृति गुरु सम्मान समारोह-2026' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगीत, नृत्य और गुरु-शिष्य परंपरा की समृद्ध विरासत का सुंदर संगम देखने को मिला। समारोह का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध सुरसाधक किशोर चतुर्वेदी की भावपूर्ण भजन प्रस्तुति 'भजन प्रवाह' रही। उन्होंने 'हे री सखी मंगल गौरी', 'राम नाम सुखदाई', 'अच्युतम् केशवम् कृष्ण दामोदरम्' तथा सावन पर आधारित मेघ मल्हार गीत प्रस्तुत कर पूरे सभागार को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। उनकी सुमधुर गायकी से प्रभावित श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। इसके पश्चात विदुषी

रेनु शर्मा के निर्देशन में 'पुष्प वाटिका प्रसंग' पर आधारित समूह कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। कलाकारों की उत्कृष्ट भावाभिव्यक्ति, लयबद्धता और आकर्षक मंच-सज्जा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के दौरान संगीत एवं कला जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 22 गुरुजनों को भातखण्डे एलुमनी एसोसिएशन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके योगदान को नमन करते हुए सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 मांडवी सिंह ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संगीत, नृत्य और गुरु-शिष्य परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ0 राजेश सिंह, प्रमुख सचिव, विधान परिषद उत्तर प्रदेश तथा विशिष्ट अतिथि राजेश जायसवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि, कलाकार, संगीत प्रेमी और श्रोतागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन पूनम श्रीवास्तव ने किया। अंत में भातखण्डे एलुमनी एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा भारद्वाज एवं सचिव गिरीश चन्द्र बहुगुणा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। गरिमामय वातावरण में संपन्न यह समारोह संगीत और संस्कृति के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण बन गया।

राज्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष किए जाने की मांग तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 1 अगस्त जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राज्य कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष किए जाने की मांग पर विस्तार से चर्चा की गई। महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे एवं कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार बच्चा ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया में हो रहे विलंब के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े हैं। वहीं हजारों कर्मचारी लगातार सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिससे एक ओर कार्यरत कर्मचारियों पर कार्यभार बढ़ रहा है और दूसरी ओर अनुभवी कार्मिकों की कमी के कारण विभागीय योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के संचालन में विलंब की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षकों की भांति राज्य कर्मचारियों की सेवा

निवृत्ति आयु भी 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी जाए तो शासन को अनुभवी एवं दक्ष कर्मचारियों की सेवाएं अतिरिक्त दो वर्षों तक प्राप्त होती रहेंगी। इससे प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी, विभागों की कार्यकुशलता में वृद्धि होगी तथा रिक्त पदों के कारण उत्पन्न समस्याओं को काफी हद तक दूर किया जा सकेगा। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि विभिन्न कर्मचारी संगठनों द्वारा भी लंबे समय से यह मांग उठाई जा रही है। वर्तमान परिस्थितियों में अनुभवी कर्मचारियों की आवश्यकता को देखते हुए राज्य सरकार को इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर राज्य कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष किए जाने की मांग की जाएगी। महासंघ ने आशा व्यक्त की कि कर्मचारी हित एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार इस मांग पर शीघ्र विचार करेगी। उमंग निगम, अकिल, सईद, बबलू, अमित शुक्ला, दिव्या रानी, अजय कुमार धनुक, सुजीत कुमार, अमन कुमार, धर्मेंद्र सिंह, शांति मिश्रा, मो0 रफीक, आशुतोष अवस्थी आदि शामिल रहे।

पुलिसकर्मी की पिटाई से नाराज़ युवक चढ़ा टॉवर पर

पुलिस ने 2 घंटे बाद उतारा, हिरासत में लेकर की पूछताछ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे 24 साल का युवक 130 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। वह टावर के टॉप पर जाकर बैठ गया लोगों की नजर पड़ी तो मौके पर भीड़ लग गई। युवक ने आरोप लगाया थाने जाने पर उसकी शिकायत नहीं सुनी गई एक पुलिसकर्मी ने उसे थप्पड़ मार दिया। उसने गांव के प्रधान पर भी कई आरोप लगाई। पुलिस और परिजनों के समझाने पर करीब दो घंटे बाद युवक नीचे उतरा। इसके बाद पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाने ले गई। मामला पिसावां थाना क्षेत्र के चौखड़िया गांव का है। ग्रामीणों के मुताबिक, गांव में पंचायत चुनाव को लेकर

माहौल गर्म है। टावर पर चढ़े युवक ने ग्राम प्रधान आमिर खान के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कई आरोप लगाए। हालांकि, प्रधान आमिर खान ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि विपक्षी लोग माहौल खराब करने के उद्देश्य से युवक को बहला-फुसलाकर टावर पर चढ़ाने के पीछे हैं। मां की बिगड़ी तबियत घटना की जानकारी मिलते ही युवक के माता-पिता मौके पर पहुंचे और उसे नीचे उतरने के लिए लगातार मनाते रहे। इस दौरान युवक की मां गुड़िया ने आरोप लगाया कि कुछ लोग पंचायत चुनाव को लेकर मामले को बेवजह तूल दे रहे हैं। तनाव के बीच उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं, जिन्हें परिजनों ने संभाला युवक का आरोप है कि शुक्रवार

पुलिस बोली- मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लगी

थाना प्रभारी प्रभात कुमार गुप्ता ने बताया कि युवक की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं लग रही थी। वह करीब पांच वर्ष पुराने गांव के विकास कार्यों से जुड़े मामले की शिकायत कर रहा था। पुलिस ने उसे भोजन कराकर समझाया और सुरक्षित नीचे उतारा। थप्पड़ मारने के आरोप की जांच कराई जाएगी। फिलहाल युवक के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की जा रही है!!

संक्षिप्त खबरें

सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे 68 प्रार्थना पत्र, 8 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

महमूदाबाद (सीतापुर)। तहसील परिसर में शनिवार को उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अभिषेक प्रियदर्शी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायतें दर्ज कराई। समाधान दिवस में कुल 68 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 8 मामलों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कर दिया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 40, पुलिस की 9, विकास विभाग की 13, नगरपालिका की 5 तथा कृषि विभाग की 1 शिकायत शामिल रही। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए एसडीएम ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

स्थायी लोक अदालत में जन उपयोगी सेवाओं के विवादों का होगा त्वरित समाधान

लखनऊ। आमजन को सुलभ, त्वरित और किफायती न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित स्थायी लोक अदालत जन उपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों के निस्तारण का प्रभावी माध्यम बन रही है। प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, जीवक कुमार सिंह ने बताया कि स्थायी लोक अदालत का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत किया गया है। उन्होंने बताया कि स्थायी लोक अदालत में परिवहन सेवाएं, डाक एवं दूरसंचार सेवाएं, विद्युत एवं जलापूर्ति, सार्वजनिक स्वच्छता व्यवस्था, अस्पताल एवं औषधालय सेवाएं, बीमा सेवाएं, शैक्षिक संस्थानों और आवास संबंधी सेवाओं से जुड़े विवादों का समाधान किया जाता है। प्रभारी सचिव ने कहा कि स्थायी लोक अदालत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां विवादों को पहले आपसी सुलह और समझौते के माध्यम से हल करने का प्रयास किया जाता है। यदि दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं हो पाता है तो स्थायी लोक अदालत को मामले के गुण-दोष के आधार पर निर्णय देने का अधिकार प्राप्त है।

कांवड़ मार्ग से अतिक्रमण हटाया, अवैध चबूतरे ध्वस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में शहर कोतवाली इलाके में शनिवार दोपहर करीब तीन बजे नगर पालिका प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मन्नी चौराहे के समीप बुलडोजर चलाया। अभियान के दौरान सड़क तक बने अवैध चबूतरों और अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई श्यामनाथ मंदिर जाने वाले कांवड़ मार्ग को सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर पुलिस बल भी तैनात रहा, जिससे अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी (ईओ) सीमा सिंह के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में जेसीबी मशीन की मदद से सड़क किनारे बने अवैध निर्माणों को हटाया गया प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण के कारण कांवड़ यात्रा मार्ग संकरा हो गया था, जिससे श्रद्धालुओं और आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सावन के दौरान कांवड़ियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराना आवश्यक था।

42 बीघा अवैध प्लाटिंग पर चला प्रशासन का बुलडोजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में शहर और आसपास के क्षेत्रों में बिना स्वीकृत लेआउट के विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग के खिलाफ प्रशासन ने शनिवार शाम करीब पांच बजे बड़ी कार्रवाई की। सिटी मजिस्ट्रेट मीनाक्षी पांडेय के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान तीन स्थानों पर करीब 42 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया गया कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग और पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद रही प्रशासन के अनुसार, धनीपुर, कनवाखेड़ा और भगवानपुर क्षेत्रों में बिना वैधानिक अनुमति और स्वीकृत लेआउट के प्लाटिंग की जा रही थी। जांच में अनियमितताएं मिलने के बाद संबंधित स्थानों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान धनीपुर गांव के पास लगभग 18 बीघा, कनवाखेड़ा में पी.एन. सहगल स्कूल के पीछे करीब 4 बीघा तथा भगवानपुर में लगभग 20 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। सिटी मजिस्ट्रेट मीनाक्षी पांडेय ने बताया कि यह प्लाटिंग पप्पू जायसवाल और अन्य लोगों द्वारा कराई जा रही थी। प्रशासन ने जेसीबी मशीन की मदद से मौके पर बनाई गई सड़कें, सीमांकन और अन्य अवैध निर्माण हटवा दिए। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर मौजूद रहे। पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के कारण पूरा

अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि बिना स्वीकृत लेआउट के किसी भी प्रकार की प्लाटिंग या कॉलोनी विकसित करना नियमों के विरुद्ध है। ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी भूखंड को खरीदने से पहले उसका स्वीकृत लेआउट और संबंधित विभागों से मिली अनुमति की जांच अवश्य कर लें, ताकि भविष्य में किसी तरह की कानूनी या आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े!!

खंड शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र सौपकर विद्यालय की सफाई व्यवस्था में सुधार की करी मांग

बिसवां (सीतापुर)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई सकरन ने परिषदीय विद्यालयों में नियमित शैक्षिक एवं साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है। संघ के ब्लॉक अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता व मंत्री मो. आरिफ ने अन्य शिक्षकों सहित खंड शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र सौंपकर विद्यालयों की सफाई व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की। पत्र में कहा गया है कि विद्यालयों में सफाई कर्मियों द्वारा नियमित रूप से साफ-सफाई न किए जाने के कारण गंदगी बनी रहती है। वर्षा ऋतु में जलभराव और गंदगी के कारण बच्चों एवं शिक्षकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। विद्यालयों के शौचालयों की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है। शिक्षक संघ ने कहा कि शिक्षक अपने स्तर से विद्यालयों में सफाई कराने का प्रयास करते हैं, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। संघ ने खंड शिक्षा अधिकारी से सफाई कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा विद्यालयों में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। साथ ही शिक्षकों को इस संबंध में अनावश्यक जिम्मेदारी से मुक्त रखने का अनुरोध किया गया है।

बदनामी के डर से भाई ने धारदार हथियार से की नाबालिग बहन की हत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। तहसील के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बजेहरा में एक अत्यंत झकझोर देने वाली और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ बदनामी के कारण उपजे विवाद के चलते एक कलयुगी भाई ने अपनी ही 16 वर्षीय नाबालिग बहन की बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान सुमिता पुत्री राजाराम के रूप में हुई है। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत और सनसनी फैल गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ समय पूर्व परिजनों ने आरोप लगाया था कि कोई व्यक्ति नाबालिग लड़की को बहला-

फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग को बरामद कर लिया था और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया था। न्यायालय में अपने बयान दर्ज कराने के बाद, अदालत के निर्देशानुसार नाबालिग को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, लड़की ने अदालत और बयानों में यह बात कही थी कि वह घर में परिजनों की डांट-फटकार से क्षुब्ध होकर अपनी मर्जी से कहीं चली गई थी। परंतु परिवार के भीतर और विशेषकर भाई के मन में इस घटना से सामाजिक बदनामी का भारी रोष था। इसी रंजिश के चलते आज सुबह भाई ने धारदार हथियार से हमला कर सुमिता का सिर काटकर उसकी निर्मम हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भाई काफी देर तक शव के पास बैठा रहा और मौका पाकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। अपर पुलिस अधीक्षक सीतापुर, दुर्गेश सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फील्ड यूनिट के साथ उच्चाधिकारियों ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है, जिनसे गहन पूछताछ की जा रही है। एएसपी दुर्गेश सिंह ने बताया कि मृतका के परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी भाई कोमल पुत्र राजाराम तथा गांव के अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नामजद मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। फरार मुख्य आरोपी भाई की तलाश के लिए पुलिस टीमों का गठन कर दिया गया है और जल्द ही उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल (व्यक्तिगत) अनुक्रमांक 4063337 वर्ष 2017-18 एवं इंटरमीडिएट (संस्थागत) अनुक्रमांक 2257285005 वर्ष 2024-25 दोनों अंकपत्र सह प्रमाणपत्र घर से पचपेड़वा जाते समय रास्ते में कहीं गिर गया बहुत तलाश करने पर भी नहीं मिला। प्रेम कुमार पुत्र बब्बू निवासी ग्राम जमधरी पोस्ट भोजपुर थारू तहसील तुलसीपुर जनपद बलरामपुर उत्तर प्रदेश।

संपर्क सूत्र
9559294211

सूचना

मैं मातादीन सोनी पुत्र स्वर्गीय रामदास सोनी निवासी 4 /157 रुचि खंड - 1 शारदा नगर आशियाना लखनऊ, मैं घोषणा करता हूं कि अपने पुत्र अनुराग सोनी व उसकी पत्नी रागिनी सोनी मेरे व मेरे परिवार के अन्य लोगों के साथ आए दिन लड़ाई झगड़ा एवं बदसलूकी करते हैं इसीलिए मैं तंग आकर अपने पुत्र और बहू को अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है 7 आज के बाद मेरा अपने पुत्र अनुराग सोनी व बहू रागिनी सोनी से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं रह गया है7 अब वह अपने कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे, उनके द्वारा किए गए कृत्यों से परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी

संपादकीय

अब हवाई 'नाका'

भारत के संप्रभु राष्ट्र बनने के बाद से ही पाकिस्तान देश व भारतीय समाज को क्षति पहुंचाने के तमाम षड्यंत्र रचता और उन्हें अंजाम देने की हर कोशिश करता रहा है। शक्तिशाली सेना का मुकाबला न कर पाने पर वह छद्म युद्ध, आतंकवाद व नशे के जरिये भारत को चोट पहुंचाने की साजिश करता है। जब से पाक से लगती सीमा पर कड़ी सुरक्षा बढ़ी और पाक के संस्थागत सहयोग से सक्रिय तस्करों की आवाजाही बाधित हुई, उसने तकनीक व ड्रोन की मदद से नशे, नकली करेंसी व हथियार भेजने की साजिश को अंजाम देने शुरू किया। ड्रोन के जरिये लगातार नशे-हथियारों की तस्करी से पैदा खतरे के मद्देनजर, पाक सीमा से ड्रग्स व हथियार लाने वाले ड्रोनों को रोकने के लिये पंजाब में नई पहल हुई है। हवाई चेक प्वाइंट या 'हवाई नाके, लगाने का यह फैसला,सुरक्षा के बदलते खतरे से निपटने का एक नया और असरदार तरीका साबित हो सकता है। निस्संदेह, तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों ने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ज्यादा तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। पाक द्वारा संस्थागत रूप से पोषित तस्करों की जगह जीपीएस-निर्देशित ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू किया गया। ये ड्रोन भारतीय सीमा में निर्धारित जगहों में बहुत भीतर तक हेरोइन, हथियार और गोला-बारूद गिराने में सक्षम हैं। आसमान में उड़ने वाले दुश्मन के खिलाफ सामान्य चेक प्वाइंट कुछ नहीं कर पाते। यह सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस के लिये बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आज पंजाब ड्रोन के जरिये होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य केंद्र बन गया है। देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं। यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिंग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फ आपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है। अब सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस की कोशिश होगी कि ड्रग्स की खेप जमीन पर पहुंचाने के बाद उसे बरामद करने के प्रयास करने की बजाय, पहले ही ड्रोनों की निगरानी की जाए। जिससे समय रहते ड्रोनों का पता लगाकर, उनके उड़ने के रास्ते को ट्रैक किया जा सके। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके। सही मायने में खुफिया जानकारी,एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा पंजाब पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ यह रणनीति तस्करों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी हकीकत है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी करने वाले गिरोह अपना नेटवर्क समय के साथ नई तकनीकों के जरिये बदलते रहते हैं। जिसके लिये वे बड़े ड्रोन, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और लगातार बदलती रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए नई तकनीक के साथ-साथ लगातार खुफिया जानकारी जुटाने तथा तस्करी करने वाले गिरोहों को खत्म करने के लिये निरंतर मजबूत फाइनेंशियल जांच जरूरी है। इसके अलावा इनके मददगार लोगों पर तेजी से कानूनी कार्रवाई करना भी जरूरी है। कोशिश हो कि नशे के खिलाफ अभियान में नागरिकों की सक्रिय भूमिका हो। इसके लिये सामाजिक स्तर पर रचनात्मक कार्यक्रम चलाकर नशे के विरुद्ध अभियान चलाना भी जरूरी है। जिसके तहत नशा छुड़ाने, नशा छोड़ने वालों का पुनर्वास करने तथा जागरूकता के लिये असरदार कार्यक्रम चलाने की भी जरूरत है। सही मायने में यदि 'हवाई नाकों' को पर्याप्त संसाधनों के साथ अमली-जामा पहनाया जाए, तो निश्चित तौर पर ये सीमा पार से होने वाली नशे की तस्करी पर अंकुश लगा सकते हैं।

एक कैंटीन से उठा सवाल: व्यवस्था का सच आखिर कहाँ है?

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना गलती होना नहीं, बल्कि उसे उपलब्धि के प्रमाणपत्र से ढक देना है। जब सच कागजी चमक में छिपने लगे, तब व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र मंत्रालय की कैंटीन इसका प्रतीक बनकर सामने आई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्वच्छता और अनुपालन में अट्ठानवे प्रतिशत अंक दिए और परिसर को मक्खी-कीट मुक्त बताया। रिपोर्ट आदर्श दिखी, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने उसकी चमक फीकी पड़ गई। अदालत ने रेटिंग को 'हास्यास्पद' बताते हुए 'एक भी कीट नहीं?' जैसी टिप्पणी की और चार वकीलों की टीम को एफडीए अधिकारियों के साथ जांच के लिए भेजा। यह केवल कैंटीन की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है जहाँ सुधार से अधिक निर्दोष दिखने वाली रिपोर्ट बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सत्ता का आधार उसका नैतिक अधिकार होता है, जो कानून बनाने या आदेश देने से नहीं, बल्कि आचरण से अर्जित होता है। जब शासन दूसरों के लिए कठोर नियम तय करता है, स्वच्छता के नाम पर निजी प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करता है और जवाबदेही सुनिश्चित करता है, तो उससे अपेक्षा होती है कि वह स्वयं भी उन्हीं कसौटियों पर खरा उतरे। लेकिन जब वही व्यवस्था अपनी मंत्रालय की कैंटीन को पूर्णता का प्रमाणपत्र दे और न्यायपालिका उस दावे पर सवाल उठा दे, तो यह दोहरे मापदंड को उजागर करता है। जो व्यवस्था अपनी थाली की सच्चाई नहीं परख सकती, वह समाज की थाली की सुरक्षा का भरोसा कैसे पैदा करेगी? सत्ता की असली स्वच्छता भाषणों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के आचरण में दिखाई देती है। यह मामला केवल भोजन की गुणवत्ता का नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक संस्कृति का प्रतीक है जहाँ अंक और प्रमाणपत्र उपलब्धि पर भारी पड़ने लगे हैं। आज कई क्षेत्रों में मूल्यांकन की चमक, जमीनी सच्चाई से अधिक महत्व पाने लगी है। परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियाँ हों, आपदा राहत के आंकड़ों और स्थिति में अंतर हो या योजनाओं की सफलता रिपोर्टों में दिखाई दे—हर जगह यही प्रवृत्ति नजर आती है। मंत्रालय की कैंटीन इसका छोटा लेकिन तीखा उदाहरण है। निरीक्षण की सूची पूरी हुई और अंक मिल गए, लेकिन सवाल है कि क्या अंक अनुभव का स्थान ले सकते हैं? लोकतंत्र में सम्मान प्रतिशत से नहीं, भरोसे से मिलता है। जब शासन की घोषणाएँ और जनता का अनुभव अलग दिशा में चलें, तो विश्वास की दूरी बढ़ती जाती है। खाने की सुरक्षा को केवल स्वास्थ्य का विषय मानना इस प्रसंग को सीमित करना होगा। भोजन नागरिक गरिमा और प्रशासनिक संवेदनशीलता से जुड़ा प्रश्न है। मंत्रालय वह स्थान है जहाँ राज्य की दिशा तय होती है, नीतियाँ बनती हैं और जनता के लिए नियम निर्धारित होते हैं। यदि ऐसे स्थान पर सुरक्षा केवल फाइलों में हो और वास्तविकता जानने के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, तो यह व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का विषय है। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी ने स्पष्ट किया कि एफडीए का व्यवहार निजी और सरकारी प्रतिष्ठानों के प्रति समान व निष्पक्ष होना चाहिए। सत्ता के परिसर भी जांच और जवाबदेही से ऊपर नहीं हो सकते। चाहे मंत्रालय की कैंटीन हो या बड़ा प्रशासनिक निर्णय, जवाबदेही लोकतंत्र की मजबूत नींव है। इस मामले ने निरीक्षण व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन का काम केवल अंक देना नहीं, बल्कि वास्तविकता को निष्पक्ष रूप से सामने रखना है। जब किसी सरकारी परिसर को लगभग आदर्श घोषित किया जाए और बाद में उसी दावे पर प्रश्न उठें, तो चिंता केवल एक रिपोर्ट की नहीं, पूरे तंत्र की साख की होती है। निजी संस्थानों पर कठोर मानक और सरकारी प्रतिष्ठानों पर नरम मूल्यांकन समानता के सिद्धांत को कमजोर करते हैं। व्यवस्था जब अपने लिए अलग कसौटी अपनाती है, तो उसकी नैतिक शक्ति घटती है। शासन की असली प्रतिष्ठा प्रमाणपत्रों से नहीं, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और आचरण से बनती है। सुधार का रास्ता केवल नई रेटिंग व्यवस्था बनाने से नहीं, बल्कि उस सोच को बदलने से निकलेगा जो कागजी सफलता को उपलब्धि मान लेती है। निरीक्षण प्रक्रिया में उन लोगों के अनुभव शामिल होने चाहिए, जो प्रतिदिन उस व्यवस्था का हिस्सा होते हैं। कर्मचारी, अधिकारी और भोजन करने वालों की राय को मूल्यांकन का आधार बनाया जाना चाहिए। अचानक निरीक्षण, पारदर्शी रिपोर्ट और सरकारी व निजी संस्थानों के लिए समान नियम ही विश्वास मजबूत कर सकते हैं। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, डिजिटल मंचों की जवाबदेही या आपदा राहत की जमीनी समीक्षा—हर क्षेत्र में एक सिद्धांत लागू होना चाहिए कि आंकड़ों की चमक से पहले वास्तविकता को महत्व मिले। मंत्रालय की कैंटीन का यह प्रसंग सोचने पर मजबूर करता है कि कहीं प्रमाणपत्रों की चमक में वास्तविकता और सत्य पीछे तो नहीं छूट रहे। अट्ठानवे प्रतिशत अंक आकर्षक हो सकते हैं, लेकिन जनता का विश्वास रिपोर्ट कार्ड से नहीं, बल्कि व्यवस्था की ईमानदारी और आचरण से अर्जित होता है। अपनी कमियों को स्वीकार कर सुधार का साहस ही किसी संस्थान की शक्ति होती है। जो शासन आत्मालोचना से नहीं डरता, वही लंबे समय तक सम्मान और भरोसा कायम रखता है। कागजों पर चमकती उपलब्धियाँ कुछ समय प्रभाव डाल सकती हैं, लेकिन प्रतिष्ठा का आधार सच्चाई, पारदर्शिता और ईमानदारी ही बनती है। जब किसी व्यवस्था की चमकदार रिपोर्ट और जमीनी सच्चाई में अंतर दिखाई देने लगे, तो प्रश्न केवल एक घटना का नहीं, पूरी सोच का बन जाता है। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी इसी प्रशासनिक मानसिकता पर चोट है, जहाँ वास्तविकता सुधारने से अधिक उसे बेहतर दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सत्ता की असली स्वच्छता फाइलों, प्रमाणपत्रों और प्रतिशतों में नहीं, बल्कि व्यवहार और फैसलों में झलकती है। थाली में परोसे भोजन और रिपोर्ट में लिखे सत्य के बीच दूरी नहीं होनी चाहिए। लोकतंत्र केवल नियमों से नहीं, जनता के विश्वास से चलता है। विश्वास अट्ठानवे प्रतिशत अंकों से नहीं, पारदर्शी और ईमानदार आचरण से अर्जित होता है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

राष्ट्रीय सम्मान व संवैधानिक स्वतंत्रता का संतुलन

वंदे मातरम? केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा, राष्ट्रीय स्वाभिमान का उद्घोष और सांस्कृतिक राष्ट्रचेतना का अमर प्रतीक है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1882 में प्रकाशित 'आनंदमठ' में रचित इस गीत ने पराधीन भारत में स्वतंत्रता की चेतना को स्वर दिया। 1905 के बंग-भंग आंदोलन से लेकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन तक यह लाखों स्वतंत्रता सेनानियों का प्रेरणामंत्र बना रहा। इसी ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए संविधान सभा ने 'जन-गण-मन' को राष्ट्रगान तथा 'वंदे मातरम?' को राष्ट्रीय गीत के रूप में समान सम्मान प्रदान किया। किंतु दोनों के विधिक संरक्षण में लंबे समय से एक असमानता बनी रही, जिसे दूर करने के उद्देश्य से अब संसद ने राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को पास किया है। इस संशोधन के तहत अब राष्ट्रीय गीत के गायन को जानबूझकर रोकना अथवा उसके गायन के दौरान सभा में व्यवधान उत्पन्न करना दंडनीय अपराध होगा। इस संशोधन से पहले राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 केवल 'राष्ट्रध्वज' और 'राष्ट्रगान' के अपमान को दंडनीय अपराध घोषित करता था तथा राष्ट्रीय गीत इस संरक्षण से बाहर था। परिणामस्वरूप, वंदे मातरम? के जानबूझकर अपमान पर इस विशेष कानून के अंतर्गत कार्रवाई संभव नहीं थी। अब इस संशोधन ने इस विधिक रिक्तता को समाप्त करते हुए राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रगान के बराबर संरक्षण प्रदान कर दिया है। इस कदम का समर्थन करने वालों का तर्क है कि जब संविधान सभा ने राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान को समान सम्मान दिया था, तो उनके विधिक संरक्षण में भी समानता होनी चाहिए। सरकार का मानना है कि वंदे मातरम? केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है, इसलिए उसकी गरिमा की रक्षा आवश्यक है। वहीं, विरोधियों ने आशंका व्यक्त की है कि इसका दुरुपयोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए भी किया जा सकता है।भारतीय संविधान इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है। जहां एक तरफ़ अनुच्छेद 19(1)(क) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर अनुच्छेद 19(2) राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और राज्य की अखंडता जैसे आधारों पर उचित प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है। इसी प्रकार अनुच्छेद 25 अंत:करण और धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इसलिए कानून के जरिए किसी नागरिक को वंदे मातरम? गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। वहीं इस संशोधन का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत का जानबूझकर अपमान करने वालों पर रोक लगाना और उसकी गरिमा की रक्षा करना है और संभवत: यही इस संशोधन का वास्तविक उद्देश्य भी है। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय का 'बिजो इमैनुएल बनाम केरल राज्य' (1986) का निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि न्यायालय ने इस फैसले में स्पष्ट किया कि किसी नागरिक को उसके धार्मिक विश्वासों के विरुद्ध राष्ट्रगान गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, यदि वह सम्मानजनक व्यवहार करता है और कोई अपमानजनक आचरण नहीं करता। इस निर्णय का मूल सिद्धांत स्पष्ट है कि 'सम्मान' और 'अनिवार्यता' दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। कानून सम्मान को तो सुनिश्चित कर सकता है, किंतु श्रद्धा को बाध्य नहीं किया जा सकता। यही संवैधानिक दृष्टिकोण राष्ट्रीय गीत के संदर्भ में भी मार्गदर्शक रहेगा।यद्यपि संविधान के अनुच्छेद 51(क) में 'राष्ट्रध्वज' और 'राष्ट्रगान' के सम्मान को नागरिकों का मूल कर्तव्य बताया गया है, लेकिन वहां भी राष्ट्रीय गीत का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। फिर भी स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका और संविधान सभा द्वारा प्रदान किए गए सम्मान को देखते हुए उसके प्रति आदर भारतीय लोकतांत्रिक संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का स्वाभाविक हिस्सा है। राष्ट्रीय प्रतीकों का महत्व केवल विधिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक भी होता है। नि:संदेह, कानून का उद्देश्य संवैधानिक मूल्यों और नागरिक उत्तरदायित्व की रक्षा करना है। वास्तविक राष्ट्रीय सम्मान केवल दंडात्मक प्रावधानों से स्थापित नहीं होता। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान और वंदे मातरम? की ऐतिहासिक भूमिका के प्रति जागरूकता विकसित करना भी एक प्रभावी उपाय है। जब नागरिक किसी राष्ट्रीय प्रतीक के महत्व को समझते हैं, तब उसका सम्मान स्वाभाविक रूप से उनके व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। कानून इस सम्मान का संरक्षक हो सकता है, उसका विकल्प नहीं। वंदे मातरम? भारत की ऐतिहासिक स्मृति, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मगौरव का अभिन्न अंग है। डेढ़ सौ वर्षों से निरंतर वंदे मातरम? साहस, एकता और राष्ट्रप्रेम का अमर प्रेरणा-स्रोत बना हुआ है। अब जब राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 कानून का रूप ले चुका है, तो राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रगान के समान विधिक संरक्षण प्राप्त हो गया है।

किंतु इसकी सफलता केवल दंडात्मक प्रावधानों से नहीं, बल्कि इस बात से तय होगी कि राष्ट्रीय सम्मान और संवैधानिक स्वतंत्रताओं के बीच संतुलन किस प्रकार बनाए रखा जाता है। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि वह राष्ट्रभक्ति और नागरिक स्वतंत्रता को परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानता है।

व्याघ्रासन से कमर दर्द में राहत, बढ़े आत्मविश्वास

लंबे समय तक दफ्तर में बैठकर काम करने वालों के लिए व्याघ्रासन (टाइगर पोज) लाभदायक योगासन माना जाता है। यह न केवल कमर और पीठ दर्द से राहत दिलाता है, बल्कि शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ाने और पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में भी सहायक है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, व्याघ्रासन रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीला बनाता है। इसके नियमित अभ्यास से कमर दर्द, साइटिका और शरीर की अकड़न में राहत मिलती है। इस आसन के दौरान पेट के अंगों पर हल्का दबाव पड़ने से पाचन तंत्र सक्रिय होता है, जिससे गैस, कब्ज जैसी समस्याओं में लाभ मिलता है और भोजन का पाचन बेहतर होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह योगासन मणिपुर चक्र और स्वाधिष्ठान चक्र को सक्रिय करता है, जिससे आत्मविश्वास, मानसिक संतुलन और आंतरिक शक्ति में वृद्धि होती है। साथ ही शरीर में रक्त संचार बेहतर होने से मांसपेशियों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पहुंचते हैं। इससे हाथ, पैर और पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं तथा थकान कम महसूस होती है। व्याघ्रासन का नियमित अभ्यास रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है। इसे करने के लिए योगा मैट पर घुटनों और हथेलियों के बल आएं। गहरी सांस लेते हुए एक पैर को पीछे की ओर सीधा उठाएं और गर्दन को ऊपर की ओर रखें। इसके बाद सांस छोड़ते हुए पैर को मोड़कर छाती की ओर लाएं और पीठ को गोलाकार बनाएं। यही प्रक्रिया दूसरी टांग से भी दोहराएं। विशेषज्ञों का कहना है कि गंभीर कमर दर्द, रीढ़ की चोट, घुटनों की समस्या या गर्भावस्था के दौरान यह आसन केवल प्रशिक्षित योग विशेषज्ञ या चिकित्सक की सलाह से ही करना चाहिए।

मानसून में बढ़ा लू का खतरा

मानसून के दौरान फ्लू और अन्य वायरल संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मेडिसिन विभाग के डॉ. संजीव सिन्हा ने बताया कि इन दिनों बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में खांसी, जुकाम, बुखार और शरीर दर्द की शिकायत लेकर आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डॉ. सिन्हा के अनुसार, फ्लू के सामान्य लक्षणों में गले में खराश, नाक बहना, सूखी खांसी, तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, कमजोरी और थकान शामिल हैं। कई बार ये लक्षण सामान्य वायरल संक्रमण जैसे लगते हैं, लेकिन यह इन्फ्लूएंजा वायरस का संक्रमण भी हो सकता है। इसलिए ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि 65 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग, पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं तथा मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय, गुर्दे और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। ऐसे लोगों को लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। डॉ. सिन्हा ने बताया कि इन्फ्लूएंजा की पुष्टि के लिए नाक या गले से नमूना लेकर आरटी-पीसीआर जांच की जाती है। संक्रमण की पुष्टि होने पर रोगी को एंटीवायरल दवाएं, बुखार के लिए पैरासिटामोल, पर्याप्त आराम और अधिक मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि संक्रमित व्यक्ति को कम से कम दो से तीन दिन तक घर में रहकर स्वयं को अलग रखना चाहिए। इस दौरान मास्क पहनना, भीड़भाड़ से बचना तथा खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रुमाल या टिश्यू से ढंकना जरूरी है, क्योंकि इन्फ्लूएंजा संक्रमित व्यक्ति की छींक और खांसी से निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों के माध्यम से तेजी से फैलता है। डॉ. सिन्हा ने बताया कि मानसून में तापमान और नमी में लगातार बदलाव वायरस के प्रसार के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हैं। यही कारण है कि जुलाई और अगस्त में फ्लू के मामले हर वर्ष बढ़ जाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तेज बुखार कई दिनों तक बना रहे, सांस लेने में तकलीफ हो, ऑक्सीजन स्तर कम हो, अत्यधिक कमजोरी महसूस हो या मरीज भ्रमित दिखाई दे, तो तुरंत अस्पताल पहुंचना चाहिए। समय पर उपचार न मिलने पर संक्रमण निमोनिया का रूप ले सकता है और मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ सकती है।

मेष -आज का दिन आपके लिए उत्साह और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए बनाई गई नई योजनाएं भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती हैं। पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ-आज आपके रुके हुए कार्य गति पकड़ सकते हैं। वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलने से महत्वपूर्ण निर्णय लेना आसान होगा।

मिथुन-आज का दिन आपके लिए उपलब्धियों वाला रहेगा। परिवार में आपके कार्यों की सराहना होगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को विस्तार के नए अवसर मिल सकते हैं।

कर्क-आज आय के नए स्रोत बनने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश संबंधी निर्णय सोच-समझकर लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

सिंह-आज का दिन योजनाओं को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने का है। खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखना भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा।

कन्या-आज कार्यक्षेत्र में प्रगति के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। राजनीति, प्रशासन या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए प्रभाव बढ़ने के संकेत हैं।

तुला-आज का दिन नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में किसी करीबी व्यक्ति से चल रही नाराजगी समाप्त हो सकती है।

वृश्चिक-आज मेहनत और धैर्य के बल पर महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। विरोधियों की कोशिशों के बावजूद आप अपनी समझदारी से आगे बढ़ेंगे।

धनु-आज व्यापार में हर निर्णय सोच-समझकर लेना आवश्यक रहेगा। अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकती है। कार्यस्थल पर सहयोगियों का साथ मिलेगा और वातावरण अनुकूल रहेगा।

मकर-आज का दिन समस्याओं के समाधान लेकर आ सकता है। परिवार में धार्मिक या मांगलिक कार्यों की योजना बन सकती है। जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास सफल होंगे।

कुंभ-आज नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के संकेत हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं और अध्ययन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

मीन-आज का दिन सामान्य लेकिन संतुलित रहेगा। व्यापार में लाभ के लिए अनुभवी लोगों का सहयोग लेना उपयोगी रहेगा। अनावश्यक विवादों से दूर रहकर अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना बेहतर रहेगा।

रातों-रात बदलाव के कथानक भी लुभाते रहे हैं दर्शकों को

सिनेमा सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समय-समय पर इसने समाज का आईना बनने के साथ राजनीतिक-सामाजिक चेतना के जगाने का काम भी किया। जब व्यवस्था में भ्रष्टाचार, निरंकुशता और सांप्रदायिक विषैलेपन का बोलबाला हुआ, तब सिनेमा के परदे पर ऐसे 'जना नायकन' का जन्म हुआ, जिसने जनता की आवाज बनकर लोकतंत्र की रक्षा का बीड़ा उठाया। निर्माता एच विनोथ की हाल की यह फ़िल्म इसी परंपरा को आगे बढ़ाती है। हालांकि, यह फिल्म साल 2023 की हिट फिल्म 'भगवंत केसरी' की रीमेक है। यह एक पूर्व पुलिस अफसर के एक लड़की को सशक्त बनाकर भारतीय सेना में भेजने की कहानी थी। लेकिन, विनोथ ने इसमें राजनीतिक तेवर और सामाजिक संदेशों की नई परत जोड़ी। विजय थलापति की 'जना नायकन' की कहानी पिता-पुत्री के भावनात्मक रिश्ते, सशक्तिकरण और डर से संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है।अपने मित्र इंस्पेक्टर श्रीकांत की असमय मृत्यु के बाद, थलपति वेट्री कोंडन (विजय) उनकी बेटी विजी (ममिता बैजू) के संरक्षक की भूमिका निभाता है। विजी मानसिक आघात के कारण एक गहरे डर से जूझ रही है, जो छोटी सी आवाज से सिहर उठती है। वेट्री का उद्देश्य केवल उसे सेना में शामिल कराना ही नहीं, बल्कि उसके भय को समाप्त कर उसे आत्मनिर्भर बनाना है। कहानी तब एक बड़ा मोड़ लेती है, जब इसमें जॉन हिमलर (बॉबी देओल) के रूप में खतरनाक खलनायक का प्रवेश होता है। वेट्री कोंडन का चरित्र ऐसे नायक के रूप में उभरता है, जो धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए खड़ा होता है।फिल्म 'जना नायकन' को अगर इस परिदृश्य में रखकर देखें तो यह फिल्म विजय थलापति की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और उनकी जन-नायक की छवि को मजबूत करने का एक सुनियोजित प्रयास है। एमजीआर के दौर से ही दक्षिण भारतीय सिनेमा में फिल्मों का इस्तेमाल राजनीतिक संदेश देने और नायक को जनता के तारणहार के रूप में स्थापित करने के लिए होता रहा है। 'जना नायकन' फिल्म में जब वेट्री कोंडन धार्मिक नफरत फैलाने वाली ताकतों से मुकाबला करता है, तो वह केवल एक फिल्मी विलेन से नहीं लड़ रहा होता, बल्कि वह कट्टरता और भय के माहौल के खिलाफ एक मजबूत स्टैंड ले रहा होता है। यह मोड़ फिल्म को मनोरंजन के दायरे से निकालकर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बना देता है।व्यावसायिक सिनेमा में लोकतंत्र की रक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को रातोंरात या त्वरित फैसलों से बदलने का विचार नया नहीं है। हिंदी फिल्म 'नायक' इसका ज्वलंत उदाहरण है। एस शंकर के निर्देशन में बनी और अनिल कपूर द्वारा जीवंत की गई इस फिल्म में एक पत्रकार (शिवाजी राव) को एक दिन का मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिलता है। समय की बाध्यता के कारण शिवाजी राव औपचारिकताओं में उलझने के बजाय कड़े और त्वरित आदेश जारी करता है। भ्रष्टाचारी अधिकारियों को निलंबित करना, कालाबाजारी रोकना और समस्याओं का मौके पर ही निवारण करना जैसी उसकी शैली ने जनता को काल्पनिक लेकिन संतोषजनक राहत दी थी। अमिताभ, देवगन भी बने बदलाव के प्रतीक लोकतांत्रिक चेतना और व्यवस्था से टकराव की भावना अमिताभ बच्चन की फिल्म 'इंकलाब' में भी देखने को मिली है। आठवें दशक में जब राजनीति और अपराध का गठजोड़ चरम पर था, 'इंकलाब' का नायक भ्रष्टाचार और राजनीतिक सड़न को मिटाने के लिए अतिवादी, लेकिन लोकतांत्रिक शुद्धिकरण का रास्ता चुनता है। इसी कड़ी में प्रकाश झा की फिल्म 'राजनीति' और 'सत्याग्रह' का नाम भी लिया जा सकता है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

बुंदेलखंड एकीकरण समिति ने स्कूली बच्चों से किया संवाद, कॉपियां बांटी

तालबेहट। सांसद अनुराग शर्मा की सामाजिक संस्था बुंदेलखंड एकीकरण समिति द्वारा शनिवार को सनराइज स्कूल, तालबेहट में विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने बच्चों को शिक्षा का महत्व बताते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन का पालन करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपियों का वितरण भी किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है और समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति का दायित्व है कि वह जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करे। कार्यक्रम में डॉ. एस.पी. पाठक, एडवोकेट विनोद करौलिया, सुनील त्रिपाठी बाबा, शिक्षक संजीव शर्मा सहित समिति के अन्य सदस्य एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने समिति के इस सामाजिक एवं शैक्षिक प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

खेत की मेड़ के विवाद में महिला से मारपीट, दो महिलाओं पर आरोप

तालबेहट। थाना क्षेत्र के ग्राम कडेसरा कलां मजरा कतरयाना में खेत की मेड़ से निकलने के विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाना तालबेहट में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार, ग्राम कडेसरा कलां मजरा कतरयाना निवासी रामसखी पत्नी राजू यादव ने बताया कि 30 जुलाई 2026 को शाम करीब 5 बजे वह अपने खेत पर मौजूद थीं। इसी दौरान गांव की रश्मि पत्नी सुरेंद्र तथा संध्या पत्नी राजेंद्र वहां पहुंचीं। आरोप है कि दोनों ने खेत की मेड़ से निकलने के विवाद को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों तथा लात-घूंसों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता का कहना है कि मारपीट में उन्हें चोटें आई हैं। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपितों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पुलिस के अनुसार मामले में प्राप्त तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महरौनी सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम सख्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। तहसील महरौनी में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान सबसे अधिक शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित मिलने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। परवाने खतौनी में दर्ज न होना, वरासत, पैमाइश और अवैध कब्जे जैसे मामलों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित लेखपालों, कानूनगो तथा आरके मुन्नीलाल का वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी लेखपालों और राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के लंबित मामलों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश

दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि एक सप्ताह बाद वह पुनः तहसील का निरीक्षण करेंगे और यदि कार्यों में अपेक्षित सुधार नहीं मिला तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध उसी दिन कठोर कार्रवाई की जाएगी। भूमि विवाद, अवैध कब्जे और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को तत्काल मौके पर भेजकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान बम्हौरी बहादुर सिंह निवासी हरीराम, दरौना निवासी रामेश्वर तथा दरौनी निवासी भैयन अहिरवार ने परवाना दर्ज न होने और अवैध धन की मांग किए जाने की शिकायत की।जिलाधिकारी ने इन मामलों की जांच कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश तहसीलदार महरौनी को दिए। वहीं पड़वां निवासी मंजू पत्नी दरयाव सहरिया ने अपने लकवाग्रस्त पति का नाम अन्त्योदय राशन कार्ड में जोड़ने का अनुरोध किया, ताकि आयुष्मान कार्ड बन सके और उपचार कराया जा सके। इस पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में महरौनी तहसील में कुल 113 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 14 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जनशिकायतों में राजस्व विभाग की 37, पुलिस से संबंधित 07, विकास से संबंधित 19, चकबंदी की 05, पूर्ति विभाग की 24, विद्युत विभाग की 03, नगर पंचायत की 07, अन्य विभागों की 11 शिकायतें प्राप्त हुई, इस प्रकार जिले की सभी पांच तहसीलों में कुल 250 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 31 शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया।

मिर्चवारा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार सेल्समैन की मौत

ललितपुर। ललितपुर-महरौनी मार्ग पर शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक सेल्समैन की दर्दनाक मौत हो गई। मिर्चवारा गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर उन्हें मेडिकल कॉलेज ललितपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है। महरौनी कस्बा निवासी 44 वर्षीय राजेश पुत्र गोकुल प्रसाद ललितपुर के नदीपुरा स्थित शहजाद नदी के पास संचालित एक शराब की दुकान पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत थे।

शुक्रवार रात करीब 10.15 बजे वह अपनी ड्यूटी समाप्त कर बाइक से घर महरौनी के लिए निकले थे। बताया गया कि रात करीब 11.30 बजे जब वह मिर्चवारा गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद राजेश सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

राठौर क्षत्रिय समाज की नई कार्यकारिणी घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला राठौर क्षत्रिय समाज की साधारण सभा शनिवार को जेल चौराहा स्थित एक निजी प्रतिष्ठान में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के रिक्त पड़े जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री पद पर सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों की मौजूदगी में चन्द्रशेखर राठौर को जिलाध्यक्ष तथा नीलेश्वर राठौर नीलू को जिला महामंत्री मनोनीत किया गया। नवमनोनीत पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर राठौर और महामंत्री नीलेश्वर राठौर ने कहा कि समाज को मजबूत और संगठित बनाने के लिए जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार एवं संगठन में आवश्यक फेरबदल किया जाएगा। समाजहित में सक्रिय और समर्पित युवाओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएंगी। बैठक में आगामी 13 अगस्त को राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की 388वीं जयंती भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। जयंती समारोह के दौरान मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, विशाल रक्तदान शिविर, समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों का अभिनंदन तथा छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में राज्यमंत्री मनोहर लाल, सांसद अनुराग शर्मा, विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, नपाध्यक्ष सोनाली जैन, जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र रावत तथा नगराध्यक्ष भगत सिंह राठौर सहित अनेक जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले (सप्पू) करेंगे। बैठक में जिला प्रभारी रविशंकर राठौर (पूर्व पार्षद), विनोद राठौर (मुनीम), राजकुमार राठौर (धनतौली), धनीराम राठौर (रजवारा), राजकुमार राठौर, रामकुमार राठौर, शुभम कौशिक, अनिल कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

14 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की बैठक शनिवार को स्टेशन रोड स्थित होटल गुरुकृपा में जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता एवं प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। बैठक में आगामी 14 अगस्त (शुक्रवार) को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्टेशन रोड से आजाद चौक तक भव्य तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक में यात्रा की तैयारियों को लेकर विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। तिरंगा यात्रा के प्रचार-प्रसार का दायित्व युवा कार्यकर्ताओं को सौंपा गया, जबकि पूरे नगर को तिरंगे और देशभक्ति से जुड़े बैनर-पोस्टरों से सजाने का निर्णय लिया गया। व्यापार मंडल ने जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, पत्रकारों, छायाकारों तथा नगरवासियों से तिरंगा यात्रा में सहभागिता की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को देश ने लंबे संघर्ष और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बाद आजादी प्राप्त की थी। देश के वीर शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का त्याग सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज ने हर राष्ट्रीय अवसर पर तन, मन और धन से अपना योगदान दिया है और आगे भी राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि तिरंगा यात्रा को जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यात्रा में पैदल चलने वाले प्रतिभागी डीजे के पीछे अनुशासित ढंग से चलेंगे, जबकि दोपहिया वाहन सवार उनके पीछे रहेंगे। यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। संचालन महामंत्री अनिल जैन ने किया। बैठक में प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर, जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार त्रिपाठी, महामंत्री अनिल जैन, महेश जैन, पंकज जैन, प्रदेश संगठन मंत्री अशोक जैन अनौरा, अभय जैन एड., संजीव कसान, मुकेश जैन, रमाकांत तिवारी, लखनलाल अग्रवाल, सतीश जैन, राजीव सुडेले, आईटी मंच अध्यक्ष अंकित सतभैया, रामप्रकाश साहू, शुभम जैन, अविरल जैन, बृजेश रावत, अरविंद, मो.नईम, जयनारायण शर्मा, रिक्की, विनोद जैन, अनुज जैन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आईजीआरएस पर फर्जी निस्तारण का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग्राम खिरिया खुर्द निवासी तुलसीदास गोस्वामी पुत्र सीताराम गोस्वामी ने अपने मकान से लेकर प्रमोद रजक के नए मकान तक पक्की नाली निर्माण की मांग को लेकर 15 जुलाई 2026 को आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत का संदर्भ संया 40016726013127 है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी ने स्थल का निरीक्षण किए बिना ही कार्यालय में बैठकर निस्तारण आया तैयार कर दी।

ललितपुर। शासन की जनशिकायत निस्तारण प्रणाली आईजीआरएस की पारदर्शिता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। विकासखंड जखौरा की ग्राम पंचायत मुहारा के अंतर्गत ग्राम खिरिया खुर्द में नाली निर्माण संबंधी शिकायत के निस्तारण में गंभीर अनियमितता का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित अधिकारी ने बिना मौके पर पहुंचे और बिना उनसे संपर्क किए ही फर्जी जांच आख्या लगाकर शिकायत का निस्तारण कर दिया। ग्राम खिरिया खुर्द निवासी तुलसीदास गोस्वामी पुत्र सीताराम गोस्वामी ने अपने मकान से लेकर प्रमोद रजक के नए मकान तक पक्की नाली निर्माण की मांग को लेकर 15 जुलाई 2026 को आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत का संदर्भ संख्या 40016726013127 है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी ने स्थल का निरीक्षण किए बिना ही कार्यालय में बैठकर निस्तारण आख्या तैयार कर दी। आरोप है कि रिपोर्ट में पुराने जीपीएस फोटो संलग्न कर यह दर्शाया गया कि मौके का निरीक्षण किया गया है, जबकि वास्तविकता में कोई अधिकारी स्थल पर नहीं पहुंचा। तुलसीदास गोस्वामी का आरोप है कि जांच आख्या में नितिन और संजय नामक दो व्यक्तियों के हस्ताक्षर गवाह के रूप में दर्शाए गए हैं, जबकि दोनों खिरिया खुर्द गांव के निवासी नहीं हैं। इतना ही नहीं, निस्तारण रिपोर्ट में स्वयं यह उल्लेख किया गया है कि आवेदक से संपर्क नहीं हो पाया, जिससे शिकायतकर्ता का कहना है कि बिना उसकी मौजूदगी और जानकारी के ही शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार नाली निर्माण न होने से आसपास के मकानों का गंदा पानी उनके घर के सामने जमा हो रहा है। इससे जलभराव और गंदगी की समस्या लगातार बनी हुई है तथा पड़ोसियों के बीच विवाद की आशंका भी बढ़ रही है। उनका कहना है कि पूर्व में हुए निरीक्षणों में भी नाली निर्माण की आवश्यकता बताई गई थी, लेकिन अब वास्तविक समाधान करने के बजाय कागजी कार्रवाई कर मामले को बंद करने का प्रयास किया गया है। फर्जी निस्तारण से असंतुष्ट शिकायतकर्ता ने आईजीआरएस पोर्टल पर अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए जिलाधिकारी सहित संबंधित उच्चाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कथित फर्जी जांच आख्या तैयार करने, बाहरी व्यक्तियों को गवाह दर्शाने और पुराने फोटो लगाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मौके पर वास्तविक निरीक्षण कराकर नाली निर्माण कराने की मांग की है।

दहेज हत्या के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। कोतवाली पुलिस ने दहेज हत्या के एक मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध थाना तालबेहट में दर्ज मुकदमा संख्या 173/2026 में कार्रवाई की गई। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पुलिस ने ग्राम करेंगा निवासी रविन्द्र अहिरवार (20) पुत्र सुमरथ अहिरवार को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85, 80(2) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार 25 मई 2026 को वादिया की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मामले में वांछित चल रहे आरोपी को 31 जुलाई 2026 को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा, उपनिरीक्षक सियाराम वर्मा तथा कांस्टेबल जुगुल कुमार शामिल रहे।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने का आह्वान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी ने आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर शनिवार को सेक्टर-13 गुढ़ा में बूथ संख्या 132, 133 एवं 134 की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा जनसंपर्क अभियान को तेज करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता बसपा जिलाध्यक्ष एड.जानकी प्रसाद बौद्ध ने की, जबकि मुख्य अतिथि झांसी मंडल प्रभारी एड. केहरसिंह गौतम मौजूद रहे। बैठक में विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों, सेक्टर अध्यक्षों एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में होती है। यदि प्रत्येक बूथ पर संगठन सक्रिय और मजबूत होगा तो पार्टी को चुनाव में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए नियमित जनसंपर्क करने और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में बूथ समितियों की सक्रियता, संगठनात्मक गतिविधियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही क्षेत्र की जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार जनता के संपर्क में रहें और संगठन की गतिविधियों को गति दें। संचालन कालूराम अहिरवार ने किया। बैठक में विधानसभा प्रभारी प्रेम नारायण पाल, बृजेश अहिरवार, वि.स.अध्यक्ष रामबगस अहिरवार, अंकुल बड़ौनिया, इंद्रजीत गौतम, कालूराम अहिरवार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सेक्टर अध्यक्ष संतोष अहिरवार, पप्पू कुशवाहा, भगवानदास प्रजापति, मोहनलाल, शोभाराम, सुनील अजनोरा, प्रमोद अहिरवार, छोटेलाल, राजेश कुमार अजनोरा, रामदीन अहिरवार, अरदास (घोड़ा) अहिरवार, नंदराम बाबू, मोहनलाल अहिरवार, रामकिशन अहिरवार, अनूप कुमार, रमेश चौधरी, मनोहर लाल एवं राममिलन अहिरवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उम्मीद अभियान के तहत विद्यालय में हुआ साप्ताहिक वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। कदम संस्था द्वारा संचालित उम्मीद अभियान के अंतर्गत रामरतन विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल में दूसरा साप्ताहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के बच्चों का जन्मदिन पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक गोविंद नारायण व्यास ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को इस अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हराभरा वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा प्रत्येक सप्ताह नियमित रूप से पौधरोपण किया जाएगा। वर्षभर तैयार किए गए पौधों को जुलाई माह में बृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत रोपा जाएगा। इसके साथ ही बच्चों को विभिन्न प्रजातियों के बीज वितरित कर घर-घर बीजारोपण अभियान चलाया जाएगा, ताकि प्रत्येक परिवार पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभा सके। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरिबाबू शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकार मनोज वैद्य का जन्मदिन भी पौधरोपण के साथ मनाया गया तथा संस्था की ओर से उनका सम्मान किया गया। इस दौरान लक्ष्मी मिश्रा, विवेक तिवारी, बी.के.चौरसिया, तृप्ति शर्मा, पूनम, रचना, अफसाना, महिमा, आकांक्षा, क्रांति, सेजल, रमा, रेनू, फूलवती सहित विद्यालय परिवार और कदम संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

बाल गृह और संप्रेक्षण गृह का जिला निरीक्षण समिति ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह के निर्देश पर जिला निरीक्षण समिति ने राजकीय बालगृह (बालक), दैलवारा तथा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, नेहरू नगर का निरीक्षण कर वहां रह रहे बालकों एवं किशोरों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण दल में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ईसी एक्ट) नीरज कुमार महाजन, सचिव देवप्रिय सारस्वत, सिविल जज जूनियर डिवीजन (एफटीसी) नवीन कुमार पांडे तथा एसडीएम सदर हेमंत पटेल शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान सचिव देवप्रिय सारस्वत ने उच्च न्यायालय की जुवेनाइल जस्टिस कमेटी के निर्देशों के अनुपालन में दोनों संस्थानों में रह रहे बालको एवं किशोरों से शैक्षिक व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन की गुणवत्ता, दैनिक दिनचर्या तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को भी जाना। निरीक्षण के दौरान राजकीय बालगृह (बालक), दैलवारा में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग जांची गई, जिसमें केवल पिछले दो दिनों की रिकॉर्डिंग उपलब्ध मिली। वहीं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, नेहरू नगर में सीसीटीवी कैमरों में चार दिनों की रिकॉर्डिंग ही उपलब्ध पाई गई। निरीक्षण समिति ने इसे मानकों के अनुरूप नहीं माना और कहा कि सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग कम से कम 15 दिन से एक माह तक सुरक्षित रहनी चाहिए। सचिव देवप्रिय सारस्वत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थानों में रह रहे बालको एवं किशोरों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संतुलित एवं पौष्टिक भोजन, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी व्यवस्थाओं का प्रभावी ढंग से संचालन सुनिश्चित किया जाए और निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को शीघ्र दूर किया जाए।

स्वर सम्राट मोहम्मद रफी को भावभीनी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। महान पार्श्वगायक मोहम्मद रफी की 44 वीं पुण्यतिथि पर शहर में एक श्रद्धांजलि एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ स्तंभकार सिद्धार्थ शर्मा ने की। वक्ताओं ने रफी साहब के संगीत, व्यक्तित्व और भारतीय फिल्म संगीत में उनके अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उन्हें स्वर सम्राट की संज्ञा दी। परिचर्चा को संबोधित करते हुए सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि 31 जुलाई 1980 भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास का वह दिन था, जब मोहम्मद रफी ने इस दुनिया को अलविदा कहा। हालांकि उनका शारीरिक अवसान हुआ, लेकिन उनकी मधुर, भावपूर्ण और आत्मा को छू लेने वाली आवाज़ आज भी करोड़ों संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित है। उन्होंने कहा कि समय और पीढ़ियां बदलती रहीं, लेकिन रफी साहब की लोकप्रियता और सम्मान आज भी पहले जैसा ही कायम है। उन्होंने कहा कि रफी साहब केवल महान गायक ही नहीं, बल्कि अत्यंत विनम्र, सरल और उदार व्यक्तित्व के धनी थे। उनके लिए संगीत केवल पेशा नहीं, बल्कि साधना था। यही कारण है कि उनकी आवाज में भक्ति, प्रेम, विरह, देश भक्ति, लोकगीत, गजल, कव्वाली और हास्य गीत सभी समान प्रभाव के साथ सुनाई देते हैं। वक्ताओं ने रफी साहब के कालजयी गीतों का उल्लेख करते हुए कहा कि तुम मुझे यूँ भुला न पाओगे, जब भी ये दिल उदास होता है, पोंछकर अश्क अपनी आँखों से, मन तड़पत हरि दर्शन को आज, मधुबन में राधिका नाचे रे, अपनी आजादी को हम हरगिज मिटा सकते नहीं, साथी हाथ बढ़ाना, चलो रे डोली उठाओ कहार और कोई सागर दिल को बहलाता नहीं जैसे गीत आज भी संगीत प्रेमियों की पहली पसंद हैं और नई पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि रफी साहब ने नौशाद, शंकर-जयकिशन, ओ.पी. नैयर, रोशन, रवि, खय्याम, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, कल्याणजी-आनंदजी, सलिल चौधरी सहित अनेक दिग्गज संगीतकारों तथा शकील बदायूंनी, साहिर लुधियानवी, शैलेन्द्र, मजरूह सुल्तानपुरी, गुलजार और आनंद बख्शी जैसे गीतकारों के साथ काम कर भारतीय फिल्म संगीत को स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वक्ताओं ने कहा कि आज जब संगीत तकनीक पर अधिक निर्भर होता जा रहा है, ऐसे समय में मोहम्मद रफी की गायकी यह सिखाती है कि सच्चा संगीत केवल सुरों का नहीं, बल्कि संवेदनाओं और आत्मा का विषय होता है। उनका प्रत्येक गीत प्रेम, करुणा, भक्ति, मानवता और आशा का संदेश देता है। कार्यक्रम के अंत में रफी साहब के अमर गीत तुम मुझे यूँ भुला न पाओगे, जब कभी भी सुनोगे गीत मेरे, संग-संग तुम भी गुनगुनाओगे को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान सुबोध शर्मा विश्वास, दिनेश गोस्वामी, अनिल शिवहरे, राजू आचार्य, सतीश जैन, संदीप तिवारी, अमित पांडेय, अमित लखेरा, अनिल सराफ, रामकिशोर विश्वकर्मा, श्रीनारायण पाण्डेय, संजीव बाबरा सहित शहर के अनेक संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

बानपुर पुलिस ने 14 गुम मोबाइल खोज कर लौटाए

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में थाना बानपुर पुलिस ने गुम एवं खोए हुए मोबाइल फोन बरामद करने की मुहिम में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए 14 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द कर दिए। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 1.85 लाख रुपये बताई गई है। अपने मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस अधीक्षक एवं बानपुर पुलिस का आभार जताते हुए उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की। पुलिस के अनुसार एएसपी कालू सिंह तथा सीओ महरौनी अरविन्द कुमार पाण्डेय के पर्यवेक्षण में थाना बानपुर में जनसुनवाई एवं पोर्टल के माध्यम से प्राप्त गुमशुदा मोबाइल संबंधी प्रार्थना पत्रों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसके बाद थाना पुलिस ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का परीक्षण कर भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर विवरण अपलोड किया। तकनीकी विश्लेषण एवं विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 14 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों की पहचान की और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें सौंप दिया।

संक्षिप्त खबरें

अपर जिलाधिकारी ने सुनी फरियादियों की फरियाद

चुनार, मीरजापुर। शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में आएं फरियादियों की समस्याओं को अपर जिलाधिकारी भू राजस्व देवेन्द्र कुमार ने सुना। इस दौरान कुल 119 प्रार्थना पत्र पड़े जिसमें मौके पर सात का निस्तारण हुआ।कैलहट निवासिनी पुष्पा देवी ने बिजली विभाग के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि विभाग द्वारा मनमानी तरीके से एकाउंट बनाकर उसके नाम गलत तरीके से बिजली का बिल भेजा जा रहा है जबकि उसने कोई कनेक्शन नही लिया है।आरोप लगाते हुए कहा है कि कई बार शिकायती प्रार्थना पत्र दे चुकी है लेकिन कोई सुनवाई अब तक नही हुआ। इस दौरान उप जिलाधिकारी चुनार अनेग सिंह, पुलिस उपाधीक्षक गायत्री यादव, तहसीलदार इवेंद्र कुमार, नायब तहसीलदार संजय सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व छात्राओं को किया गया जागरूक

भदोही। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, स्कूल-कॉलेजों, कोचिंग सेंटरों तथा ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में चलाए गए अभियान के दौरान महिला हेल्पलाइन 181, महिला शक्ति लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सेवा 112 तथा यूपी कॉप ऐप की जानकारी दी गई। पुलिस टीमों ने साइबर अपराधों से बचाव, पॉक्सो एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी। पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी प्रकार की असुरक्षा या अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने की अपील की।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने दिखाई संवेदनशीलता

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल पहुंचाया अस्पताल

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- सम्पूर्ण समाधान दिवस, दुद्धी में प्रतिभाग करने के लिए जाते समय गुरमुरा के समीप सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को देखकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। दोनों अधिकारियों ने तत्काल अपना काफिला रुकवाकर घायल व्यक्ति का हालचाल जाना और बिना किसी विलंब के अपने स्कॉर्ट वाहन से उसे निकटवर्ती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाकर उपचार सुनिश्चित कराया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायल व्यक्ति को आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं तथा उपचार में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की त्वरित कार्रवाई से घायल को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी। मौके पर उपस्थित लोगों ने दोनों अधिकारियों की तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण की सराहना की।

चोरी की आतंक से परेशान ग्रामीण

मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के गलरा गाव निवासी दुर्गा प्रसाद मिश्र ने तहसील दिवस लालगंज मे प्रार्थना पत्र देकर बताया कि दो भैंस घर पर खुटे में बंधी थी। 23 जुलाई को बीती रात सोए हुए थे सुबह उठे तो भैंस खुटे पर नहीं थी। हम प्रार्थी तत्काल 112 पुलिस को सूचना दिए। और थाने आकर लिखित सूचना दिए लेकिन आज तक एफआईआर दर्ज नहीं हुआ। जिससे पीड़ित परेशान होकर तहसील दिवस पर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर कार्रवाई का मांग किया है पीड़ित ने बताया कि चोरी के बाद तहरीर लेकर हम दर-दर भटक रहे हैं लेकिन ड्रमंडगंज पुलिस नहीं दर्ज कर रही मुकदमा साथ ही साथ ग्रामीणों के मुताबिक क्षेत्र में तमाम चोरियां हुई एक भी चोरी का मुकदमा दर्ज नहीं किया गया ना तो एक भी चोरी का खुलासा किया गया।

गंगा कटान प्रभावित गांवों का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर। गंगा कटान प्रभावित गावों का विधायक अनुराग सिंह ने शनिवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।विधायक ने ऐबकपुर, जलालपुर माफी, बगही, शिवपुर गांगपुर पहुंचकर कटान प्रभावित गावों का देखा।बताते चलें कि बाढ़ के दौरान नरायनपुर ब्लाक अंतर्गत बगही, शिवपुर, गांगपुर, बघेडी, शेरपुर, जलालपुर माफी, ऐबकपुर मोहाना, चितरहां, बहरामगंज, जमालपुर अंतर्गत छोटा मीरजापुर, रसूलागंज आदि गांव कटान प्रभावित क्षेत्र है।गंगा में आने वाले बाढ़ के चलते इन गांवों में कटान होने के चलते कृषि एवं आबादी क्षेत्र में भारी क्षति होती है।

विधायक ने संभावित आपदा को गंभीरता से लेते हुए इन गावों की सुरक्षा के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखकर शीघ्र ही स्थायी समाधान कराने के लिए कहा है। इस दौरान सिद्धार्थ कुमार सिंह चीफ,मनीष कुमार सिंह सहायक अभियंता चतुर्थ, आदर्शीवाद अंचल सहायक अभियंता द्वितीय, विधायक प्रतिनिधि आलोक सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष मंगरु साहनी, विजय बहादुर सिंह ,ज्योति प्रकाश सिंह एड, अभिलाष राय किशन मोदनवाल आदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीरंदाजी में सभ्या व आदर्श ने जीता स्वर्ण, राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। झारखंड के रांची स्थित तौरीन वर्ल्ड स्कूल में 28 से 31 जुलाई तक आयोजित ईस्ट जोन सीबीएसई तीरंदाजी चैम्पियनशिप 2026-27 में भदोही के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। मनवासा विद्या पब्लिक स्कूल, मंगापट्टी (सुधवै), जंगीगंज की सभ्या सिंह ने इंडियन राउंड 14 वर्ष बालिका वर्ग तथा आदर्श तिवारी ने इंडियन राउंड 14 वर्ष बालक वर्ग की मिक्स टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। दोनों खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत (इंडिविजुअल) स्पर्धा में कांस्य पदक भी अपने नाम किया। इस प्रकार दोनों खिलाड़ियों ने कुल चार पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया।

वहीं, दयाल आर्चरी एकेडमी के सूर्य प्रताप गुप्ता ने रिकर्व राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शानदार प्रदर्शन के आधार पर सभ्या सिंह, आदर्श तिवारी और सूर्य प्रताप गुप्ता का चयन सितंबर में आजमगढ़ और पानीपत में आयोजित होने वाली नेशनल सीबीएसई आर्चरी चैम्पियनशिप के लिए हुआ है।

विद्यालय के प्रबंधक शिव प्रकाश सिंह ने खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का यह परिणाम है। जिला तीरंदाजी संघ के महासचिव अशोक कुमार गुप्ता ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भदोही के तीरंदाज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जिले का नाम रोशन करेंगे। जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष विश्वभर दयाल सहित आलोक कुमार, वैभव दीक्षित, सुमन, उर्मिला, दुर्गा प्रसाद, आर्यन, आशुतोष और दीपचंद्र समेत अन्य लोगों ने पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हेल्थ लाइफ स्टाइल क्लास का भव्य उद्घाटन

चुनार, मीरजापुर। नगर के सदुपुर मुहाना मोहल्ले में शनिवार को हेल्थ लाइफ स्टाइल क्लास का शुभारंभ नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी रामजी साहू के कर कमलों से किया गया। कार्यक्रम में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए के वाराणसी से आए हेल्थ एक्सपर्ट चंद्रभूषण ने ट्रिप्स दिए। इस दौरान विनीता आरती सीता सुमन वंदना बेबी, अनिल गुप्ता,शिव शंकर यादव एड, प्रदीप रस्तोगी, पवन जायसवाल, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा चुनार की प्रभारी बिनु दीदी,सह प्रभारी तारा दीदी सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संचालिका लाइफ स्टाइल कोच बबीता साहू ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 239 शिकायतें, मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। शासन की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील भदोही में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक, उप जिलाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं तहसील ज्ञानपुर और औराई में उप जिलाधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान तीनों तहसीलों में कुल 239 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 22 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। तहसील भदोही में 96 शिकायतों में से 6, ज्ञानपुर में 55 में से 8 तथा औराई में 88 में से 8 शिकायतों का तत्काल समाधान किया गया। शेष मामलों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता हो। उन्होंने कहा कि अधूरी या असंतोषजनक जांच आख्या स्वीकार नहीं की जाएगी। न्यायालय में विचाराधीन मामलों को छोड़कर अन्य शिकायतों का निस्तारण आपसी सहमति, निष्पक्ष जांच और तथ्यों के आधार पर किया जाए। डीएम ने जांच के दौरान शिकायतकर्ता की मौजूदगी में मौके का निरीक्षण कर जीपीएस आधारित फोटो अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने एआई टूल्स के माध्यम से बेहतर ड्राफ्टिंग तैयार करने, एडीओ पंचायत, लेखपालों और संबंधित कर्मचारियों की रिपोर्टिंग गुणवत्ता सुधारने तथा लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

राजस्व मामलों में जिलाधिकारी ने कानूनगो, लेखपाल और पुलिस की संयुक्त टीम को एक सप्ताह के भीतर स्थलीय निरीक्षण एवं सत्यापन कर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही तहसीलदारों से बार-बार आने वाले विवादों की सूची तैयार कर पुलिस के सहयोग से उनका स्थायी समाधान कराने को कहा। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर बाल विकास एवं पुष्टाहार, आयुष्मान गोल्डन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण, महिला कल्याण (मिशन शक्ति) तथा राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा जागरूकता एवं लाभार्थी सहायता शिविर भी लगाए गए। जिलाधिकारी ने शिविरों का निरीक्षण कर लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

समाधान दिवस में 325 शिकायतें, 33 मामलों का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में अगस्त माह के प्रथम शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। दुद्धी तहसील में आयोजित समाधान दिवस में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ और पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद, कब्जे और पैमाइश से जुड़े मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जांच करे और नियमानुसार कार्रवाई करे। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद फरियादियों से फीडबैक भी लिया जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि समस्या का वास्तविक समाधान हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दुद्धी तहसील में कुल 89 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 8 मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष 81 प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में रॉबर्ट्सगंज तहसील में उपजिलाधिकारी आशीष कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 85 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें 10 मामलों का मौके पर समाधान किया गया। अधिकारियों ने शेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए।

ओबरा तहसील में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में समाधान दिवस संपन्न हुआ। यहां 86 शिकायतें सुनी गईं, जिसमें 7 मामलों का तत्काल निस्तारण किया गया। वहीं घोरावल तहसील में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 65 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 8 मामलों का मौके पर समाधान किया गया। चारों तहसीलों में कुल 325 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 33 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने शेष शिकायतों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सभी तहसीलों में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोन पुलिस ने 07 वारंटियों को किया गिरफ्तार ,भेजा न्यायालय

कोन/ सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में जनपद में चलाए जा रहे वांछित/वारंटी गिरफ्तारी अभियान के क्रम में कोन पुलिस टीम द्वारा मा0 न्यायालय अपर सिविल जज (जू0डि0)/जे0एम0 दुद्धी, जनपद सोनभद्र द्वारा निर्गत वारंट के अनुपालन में कुल 07 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार वारंटीगण का विवरण– राजेश पुत्र शिव प्रसाद, अरविन्द पुत्र राजमन, गुलाब पुत्र शोभनाथ, शिवनाथ पुत्र रामबलक, निवासी बरहमोरी, रामअचल पुत्र रामप्रीत, निवासी चकरिया,शम्भू पुत्र शंकर, निवासी चकरिया, रामचन्द्र पुत्र लालजी, निवासी पिण्डारी, थाना कोन, जनपद सोनभद्र।

उक्त सभी वारंटी मा0 न्यायालय द्वारा निर्गत आदेशों की अवहेलना कर फरार चल रहे थे। न्यायालय द्वारा निर्गत वारंट के अनुपालन में इन्हें गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरांत मा0 न्यायालय भेजा गया।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। उ0नि0 शिवप्रकाश यादव, चौकी प्रभारी चकरिया, हे0का0 इन्द्रबली राय, हे0का0 शिवकुमार, का0 सूरज कुमार शामिल रहे।

देशी शराब का ठेका हटाने को लेकर बसारतपुर गांव में महिलाओं का जबरजस्त प्रदर्शन

सीखड़ मीरजापुर, विकास खण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत बसारतपुर के चक मिल्की पूर्वा में शुक्रवार की देर रात 8 बजे गांव में खुले देशी शराब के ठीका को बंद कराने को लेकर सैकड़ों महिलाओं ने जोर दार प्रदर्शन किया। उसी को लेकर आज शनिवार को फिर सभी महिलाएं ठीका स्थल पर पहुंच कर प्रदर्शन करने लगी जिसके सूचना मिलने पर पहुंचे आबकारी इंस्पेक्टर वी पी गुप्ता व सौरभ वर्मा महिला कांस्टेबल के साथ महिलाओं के विरोध को झेलना पड़ा। कड़ी धूप में घंटों खड़े हो कर समझाते रहे पर महिलाए मानने को तैयार नहीं थी उनका कहना था की शराब का ठेका मुलनापुर बसारतपुर के नाम से है जो चकमिल्की बसारतपुर में खोल दिया गया है। जहां 24 घंटे शराब कि बिक्री धड़ल्ले से किया जाता है।बगल में चखना का दुकान खोल दिया गया है। गांव घर कि महिलाओं ने बताया कि जब अपने खेतो में काम करने के लिए जाती हैं तो ठेका के आस पास अगल बगल व चखना कि दुकान पर शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। वही शराब पीने के लिए बैठे शराबी हम महिलाओं बेटियों, बहुओं के ऊपर भद्दी भद्दी छीटा कसी करते हैं। इसपर इंस्पेक्टर आबकारी वीपी गुप्ता ने सेल्समैन को बुला कर फटकार लगाया। और सेल्समैन को हटाने कि बात कहा और महिलाओं महिलाओं को समझा बुझाकर शांत कराया।

कठिन परिश्रम ही सफलता का मूलमंत्र- डॉ रजनीश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार मीरजापुर के प्रांगण में शनिवार को 'उत्कर्ष- एक नई उड़ान' कार्यक्रम के अन्तर्गत डॉ रजनीश समाजशास्त्र के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र छात्राओं हेतु विदाई समारोह का कार्यक्रम संपन्न हुआ। विदाई समारोह के साथ 'समाजशास्त्र में करियरः अवसर,चुनौतियाँ और भविष्य' विषय पर आधारित एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय भदोही से आए डॉ सुजीत सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र रहे।

समारोह का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0) माधवी शुक्ला, मुख्य अतिथि डॉ रजनीश एवं विशिष्ट अतिथि डॉ0 सुजीत कुमार के कर कमलों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। डॉ रजनीश ने संबोधन में कहा कि 'छात्र छात्राओं को अपने जीवन में कठिन परिश्रम कर सफलता की ओर बढ़ाना चाहिए।कठिन परिश्रम ही सफलता का मूलमंत्र है।' कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर माधवी शुक्ला ने किया। सभी छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप सभी अपने ज्ञान, संस्कार, परिश्रम और सदाचार के बल पर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें। डॉ सुजीत कुमार सिंह ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन, समानता, न्याय, विकास तथा सामाजिक समरसता स्थापित करने में समाजशास्त्र का विशेष योगदान है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने गीत,संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। अतिथियों का स्वागत समाजशास्त्र के प्रभारी डॉ दीप नारायण ने किया। कार्यक्रम का संचालन आकांक्षा सिंह एवं सपना मौर्या ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ चंदन साहू, प्रो कुसुम लता डॉ भास्कर, डॉ संकठा प्रसाद सोनकर, डॉ अरविन्द कुमार, डॉ सत्येंद्र कुमार, डॉ स्मिता, डॉ विनोद यादव, डॉ नलिनी सिंह, डॉ रमेश चंद्र, डॉ गुरु प्रसाद, डॉ दीपक, डॉ शैलेन्द्र, डॉ शिखा तिवारी, डॉ चंदन द्विवेदी, डॉ शिव कुमार, डॉ मंजुला, डॉ विद्या, डॉ अमित, धर्म चंद्र, रुचि, रानी, कृष्ण कांत पाल, राज कन्नौजिया, अनुष्का, रीमा सहित छात्र छात्राये उपस्थित रही।

नमामि गंगे विजेता व उप जिलाधिकारी अजीत कुमार की अध्यक्षता में संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। लालगंज संपूर्ण समाधान दिवस तहसील सभागार में एडीएम नमामि गंगे विजेता व उप जिलाधिकारी अजीत कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। फरियादियों द्वारा कुल 65 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 3 प्रार्थना पत्र का निस्तारण किया गया शेष बचे हुए प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस टीम गठित कर निस्तारण करने का निर्देश दिया गया।

फरियादी गलरिया निवासी सोपिन सिंह ने प्रार्थना पत्र देकर सड़क बनवाने की मांग की ।ग्राम पंचायत रजई के ग्राम प्रधान जगन्नाथ सिंह ने बताया कि बिजली का तार 11000 वोल्टेज काफी नीचे होने की वजह से हमेशा खतरा बना हुआ है जिसे दुरुस्त कराया जाए। कोटार निवासी बृजलाल पुत्र छटंकी ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया की फर्जी किए गए वरासत को निरस्त किया जाए ।राष्ट्रीय किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र पटेल ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया की रामपुर खोमर मैना समिति पर उर्वरक वितरण में हेरा फेरी किया जा रहा है जिसकी जांच कराई जाए। बरकछ निवासी संतोष कुमार पुत्र चीनी ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया की चकबंदी के दौरान सार्वजनिक स्थल व सार्वजनिक नाली दिया जाए जिससे सिंचाई एवं आने जाने के लिए किसी भी प्रकार की असुविधा न हो ।समाधान दिवस के अंत में उप जिलाधिकारी अजीत कुमार ने टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप फरियादी की समस्या मौके पर जाकर दो गवाहों के समक्ष समस्या का निस्तारण करते हुए समय के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें फरियादी की समस्या निस्तारण करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर तहसीलदार विशाल कुमार शर्मा ,पुलिस उपाधीक्षक अमर बहादुर, खंड विकास अधिकारी रविंद्र कुमार, नायब तहसीलदार राजीव यादव आदि संबंधित विभाग के अधिकारी एव कर्मचारीउपस्थित रहे।

वहल्लुम पर प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने तैयारियों की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। आगामी 5 अगस्त को आयोजित होने वाले चहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय बैठक हुई। बैठक में सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने नगरीय निकायों में साफ-सफाई, चूना छिड़काव, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। ताजिया मार्गों पर जर्जर एवं नीचे लटक रहे बिजली के तारों की मरम्मत कर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को पीएचसी व सीएचसी अलर्ट मोड पर रखने, दवाओं की उपलब्धता तथा चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग को मिठाई व खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कर मिलावटी खाद्य सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने कहा कि चहल्लुम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। सभी थाना प्रभारियों को पीस कमेटी की बैठकें आयोजित कर संभावित विवादों का पहले ही समाधान करने के निर्देश दिए गए। अग्निशमन विभाग को भी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विजय नारायण सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, सभी उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, अधिशासी अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने का भरोसा दिलाया।

मिर्ज़ापुर में विदाई एवं स्वागत समारोह

मिर्ज़ापुर: विद्युत उपकेन्द्र मवैया (33/11 के.वी.) के परिसर में एक गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उपखंड के नवनियुक्त उपखण्ड अधिकारी (स्छह) श्री राजबीर सिंह कटारिया का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और पूर्व उपखण्ड अधिकारी श्री शेखर सिंह को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत में नवनियुक्त उपखण्ड अधिकारी श्री राजबीर सिंह कटारिया का पुष्पहार एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया, वहीं उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्व उपखण्ड अधिकारी श्री शेखर सिंह के कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें विदाई दी गई। समारोह में विद्युत विभाग के कई वरिष्ठ अभियंता, कार्यालय स्टाफ और संविदा कर्मी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अवर अभियंता अकसौली श्री शम्भू नाथ जी, अवर अभियंता इंदी श्री अनिल सम्राट जी, अवर अभियंता श्री आंनद प्रकाश जी, अवर अभियंता पथरहिया श्री गुंजन यादव जी और श्री विनय विन्द जी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

काशी नरेश विश्वविद्यालय की 75 वीं वर्षगांठ पर संगोष्ठी सम्पन्न

विकसित भारत के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीकी शिक्षा की भूमिका पर हुआ मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही में संस्थान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर भव्य संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद डॉ. विनोद बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं कुलपति प्रो. उमा श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि सांसद डॉ. विनोद बिंद ने कहा कि काशी नरेश विश्वविद्यालय की 75 वर्षों की यात्रा शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा की प्रेरणादायी गाथा है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय से विश्वविद्यालय बनने की उपलब्धि प्रदेश सरकार की शिक्षा के प्रति दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को अपनाकर भविष्य के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह संस्थान लंबे समय से क्षेत्र में उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में संचालित रोजगारपरक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि विश्वविद्यालय भविष्य में शोध, नवाचार और कौशल आधारित शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र बनेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास का सबसे प्रभावी माध्यम है। काशी नरेश विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे राष्ट्रीय स्तर की संस्था बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि सक्षम, संस्कारित और आत्मनिर्भर युवाओं का निर्माण करना भी है। कुलपति प्रो. उमा श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्थान आधुनिक शिक्षा, शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तैयार करना है। संगोष्ठी में शिक्षा, अनुसंधान, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और विकसित भारत के निर्माण में उच्च शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षाविद, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हर्ष सिंह के संघर्ष ने रचा नया इतिहास

गंभीर चोटों के बावजूद हार नहीं मानी और 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सफलता केवल मेडल जीतने का नाम नहीं है, बल्कि उन संघर्षों को पार करने का भी नाम है जो हर कदम पर इंसान की परीक्षा लेते हैं। दिल्ली के द्वारका स्थित ककरोला इलाके में एक 60 गज के घर में रहने वाले 23 वर्षीय जूडो खिलाड़ी हर्ष की कहानी इसी जज्बे की मिसाल है। सीमित आर्थिक संसाधनों, गंभीर चोट और लगातार मिली असफलताओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और आज भारतीय सेना का हिस्सा बनने के साथ देश के लिए पदक जीत रहे हैं। हर्ष सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुष 60 किग्रा जूडो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में उन्होंने आस्ट्रेलिया के जोशुआ काट्ज को हराकर इतिहास रचा और राष्ट्रमंडल खेलों के जूडो इतिहास में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष जूडो खिलाड़ी बने। हर्ष ने महज आठ वर्ष की उम्र में जूडो की शुरुआत विक्ट्री जूडो क्लब से की। बाद में उन्होंने दादा देव जूडो क्लब में प्रशिक्षण लिया। उनके पिता उदयभान सिंह एक निजी फैक्टरी में काम करते हैं, जबकि मां बबली सिंह गृहिणी हैं। परिवार की मासिक आय करीब 10 हजार रुपये होने के बावजूद माता-पिता ने बेटे के सपनों के सामने आर्थिक तंगी को कभी आड़े नहीं आने दिया। बेहतर डाइट, प्रतियोगिताओं में भागीदारी और प्रशिक्षण के लिए परिवार ने हरसंभव त्याग किया। हर्ष सिंह भारतीय सेना में हेड कांस्टेबल के पद पर बेंगलुरु में तैनात हैं। साल 2017 हर्ष के करियर का सबसे कठिन दौर लेकर आया। दिल्ली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान उनकी कालर बोन टूट गई। डॉक्टरों के इलाज के साथ-साथ रिश्तेदारों और परिचितों ने उन्हें खेल छोड़ने की सलाह भी दी। लगातार राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय ट्रायल्स में तीसरे स्थान पर रह जाने या हार मिलने से उनका आत्मविश्वास भी डगमगाया। कई बार उन्होंने जूडो छोड़ने का मन बनाया, लेकिन माता-पिता, बड़े भाई विनीत और शुरुआती बचपन के कोच सतवान ने उनका मनोबल टूटने नहीं दिया। कोच सतवान ने बताया कि कड़ी मेहनत का परिणाम रांची में आयोजित नेशनल गेम्स में मिला, जहां हर्ष ने ब्रान्ज, सिल्वर और गोल्ड जैसे अहम पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनकी उपलब्धियों के आधार पर वर्ष 2023 में उनका चयन आइटीबीपी में कांस्टेबल के रूप में हुआ। इसके बाद मार्च 2024 में भारतीय सेना में हेड कांस्टेबल के पद पर चयन ने उनके संघर्ष को नई पहचान दी। हर्ष के बड़े भाई विनीत का कहना है कि सेना में शामिल होने के बाद हर्ष को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं मिलीं। जेएसडब्ल्यू की सहायता, जर्मन कोचों का मार्गदर्शन और सीनियर खिलाड़ी निशांत का सहयोग उनके खेल को नई ऊंचाइयों तक ले गया। डाइट, सप्लीमेंट्स और अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी ने उनके प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया। हर्ष का कहना है कि मुश्किल परिस्थितियां व्यक्ति को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत बनाती हैं। उनका सफर उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। यदि परिवार का साथ, गुरु का मार्गदर्शन और खुद पर विश्वास बना रहे, तो कोई भी बाधा मंजिल तक पहुंचने से नहीं रोक सकती।

संक्षिप्त खबरें

सफाई कर्मचारियों के हित सर्वोपरि : मोहिंदर भगत

जालंधर। पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी एवं रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि राज्य सरकार सफाई कर्मचारियों के सम्मान, अधिकारों और आर्थिक सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार सफाई कर्मचारियों के कल्याण के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि शहरी स्थानीय निकायों में कार्यरत संविदा सफाई कर्मचारियों और सीवरमैन का मासिक वेतन 10,500 रुपये से बढ़ाकर 20,500 रुपये कर दिया गया है। मोहिंदर भगत ने कहा कि सफाई कर्मचारी स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी भलाई के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करती रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों, कर्मचारियों तथा समाज के सभी वर्गों के हित में जनकल्याणकारी निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी सफाई कर्मचारियों के हितों और सम्मान की रक्षा के लिए सरकार कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

हत्या के प्रयास में दो आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर। सदर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो विदेशी पिस्तौल, कारतूस तथा एक अवैध हथियार बरामद किया है। पुलिस के अनुसार सदर थाने में 20 जून 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 3(5) तथा शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25, 27, 54 और 59 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार 19 जून की शाम 88 फीट रोड स्थित एक मकान पर पुरानी रंजिश के चलते सिमरनजीत सिंह उर्फ बिल्ला पर गोली चलाई गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (शहर-2) श्रीवेनेला तथा सहायक पुलिस आयुक्त (नॉर्थ) गगनदीप सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक गुरप्रीत सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने 28 जुलाई को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टिकू पुत्र सुरजीत सिंह निवासी सुल्तानविंड रोड, अमृतसर तथा सुमित पुत्र संजीव कुमार निवासी गुरदासपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक जिगाना 9 एमएम पिस्तौल, एक नोरिंको .30 बोर विदेशी पिस्तौल, दो कारतूस तथा एक बिना नंबर का अवैध हथियार बरामद किया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

नगर निगम पार्षदों के धरने में विधायक अमिताभ बाजपेई हुए शामिल

कानपुर। नगर निगम जोन 1 कार्यालय में जनता की समस्याओं एवं विकास कार्यों में हो रही अनावश्यक देरी के विरोध में पक्ष-विपक्ष के सभी पार्षदों द्वारा आयोजित धरने में सपा विधायक अमिताभ बाजपेई भी ने भी शामिल होकर अपना समर्थन दिया। विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहा कि जब जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों की बात भी अधिकारी नहीं सुनते, विकास कार्यों की फाइलें महीनों तक लंबित रहती हैं और आम नागरिकों को अपनी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, तब लोकतांत्रिक तरीके से आवाज़ उठाना आवश्यक हो जाता है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को समयबद्ध तरीके से मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि जनता के सम्मान, उनके अधिकारों और क्षेत्र के विकास के लिए हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

14 घड़ियों में बांटने के लिए लाया गयी राहत सामग्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम। सुधाकांत डॉ. भूपेन हजारिका के 'मानुहे मानुहर बाबे' अर्थात् इंसान इंसानियत के लिए, गाने की भोल के गहराई को अनुसरण करते हुए असम प्रदेश नाथ योगी सम्मेलन ओर नाथ योगी छात्र संघ ने एक दल आज शिवसागर, ओर चराईदेव जिले की बाढ़ प्रभावित इलाके में राहत सामग्री वितरण के लिए उपस्थित हुए। असम प्रदेश नाथ योगी सम्मेलन के निचले असम के कई जिला समितियों के साथ कामरूप मेट्रो, दक्षिण कामरूप, चिरांग, दोरांग मंगलदोई, सुनीतपुर, मरीगांव, नौगांव, होजाई, धेमाजी, माजुली, लखीमपुर इन जिलों से नाथ योगी सम्मेलन और छात्र संघ, युवा परिषदों के कार्यकर्ताओं ने 14 गाड़ियों में ज़रूरी खाने का सामान, कपड़े और दवाइयां के साथ राहत सामग्री उल्लेखीत दोनों जिले की बाढ़ में प्रभावित जरूरतमंद लोगों में वितरण किया। उल्लेखनीय है कि 14 घड़ियों में बांटने के लिए लाया गया राहत सामग्री खत्म ना होने तक वितरण कार्यक्रम जारी रखने की खबर है। कल शाम को शिवसागर जिले में राहत वितरण कार्यक्रम में 117वें बरखला विधानसभा क्षेत्र के विधायक किशोर नाथ, नाथ योगी सम्मेलन के धीरेन नाथ धीरेन नाथ, साधारण संपादक गुंजीत नाथ, सलाहकार कृति नाथ, नाथ योगी छात्र संघ के सेंट्रल जनरल सेक्रेटरी दीपक नाथ, उपाध्यक्ष परितोष नाथ,सहित महिला सम्मेलन के माईतु देवी, युवा परिषद के नित्यानंद काकोतो, जिला समितियों के पदाधिकारियों, धेमाजी जिला नाथ योगी छात्र संघ ओर सम्मेलन के पदाधिकारियों, राहत सामग्री वितरण के पहला दिन का कार्यक्रम में भाग लेकर रात 8 बजे तक वितरण किया।

शहीद ऊधम सिंह को श्रद्धांजलि, पौधारोपण भी किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। सेंट्रल खालसा अनाथालय, पुतलीघर में महान शहीद ऊधम सिंह का शहीदी दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन ट्रबनेटर ग्रुप के अध्यक्ष जगदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर शहीद ऊधम सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में अनाथालय के बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शहीद ऊधम सिंह के बलिदान को नमन किया। उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले बच्चों को अतिथियों ने सम्मानित भी किया। वक्ताओं ने कहा कि शहीद ऊधम सिंह वर्ष 1907 से 1919 तक सेंट्रल खालसा अनाथालय में रहे और यहीं से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने युवाओं से शहीदों के जीवन और बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र एवं समाज की सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों एवं उनके परिजनों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में पौधारोपण भी किया। ट्रबनेटर ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि संस्था का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ युवाओं को स्वास्थ्य और सिख धर्म के प्रति प्रेरित करना है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त एडीसी तजिंदरपाल सिंह संधू, पूर्व सैनिक सुखमिंदर सिंह, कुलवंत सिंह, सुखदेव सिंह, काबल सिंह, जगवीर सिंह चीमा, नवतेज सिंह, भूपिंदर सिंह, हरदीप सिंह, एसजीपीसी के पूर्व सचिव रणजीत सिंह, जीएनडीयू के पूर्व मुख्य अभियंता हरमिंदर सिंह, मंदीप सिंह, शहीद ऊधम सिंह मेमोरियल स्कूल के प्रधानाचार्य दविंदर सिंह, अनाथालय के प्रबंधक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कुपोषण मुक्त पंचायत का लक्ष्य

कुपोषण बीमारी नहीं जागरूकता की कमी- डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। संभव अभियान-6 के अंतर्गत शनिवार को विकासखंड सरसौल की ग्राम पंचायत हाथीपुर में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में पोषण पंचायत आयोजित की गई। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरियों एवं उनके अभिभावकों को कुपोषण मुक्त पंचायत के लक्ष्य के साथ संतुलित आहार, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूक किया गया। प्राथमिक विद्यालय हाथीपुर परिसर में पेड़ की छांव तले खुले वातावरण में आयोजित पोषण पंचायत में जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि कुपोषण कोई बीमारी नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम है। इसका सीधा संबंध हमारी जीवनशैली और प्रकृति से है। यदि स्थानीय फल, मोटे अनाज, हरी सब्जियों तथा पारंपरिक पौष्टिक खाद्य पदार्थों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाए तो कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं से प्रभावी बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि प्रकृति स्वस्थ होगी तो समाज भी स्वस्थ होगा। जिलाधिकारी ने महिलाओं से आह्वान किया कि वे पोषण पंचायत से प्राप्त जानकारी का अधिकतम लाभ उठाएं, शासन की पोषण एवं स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ें तथा अपने परिवार और गांव को जागरूक करने में नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभाएं। प्रत्येक महिला पोषण अभियान की संदेशवाहक बने और कुपोषण मुक्त पंचायत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाए। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ हरिदत्त नेमी ने कहा कि गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों को नियमित स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेना चाहिए।

समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण एवं पोषण संबंधी परामर्श अपनाकर एनीमिया एवं कुपोषण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य विभाग की सभी सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

घर से बाहर सामान लेने निकली 9 वर्षीय बालिका लापता

कोंच(जालौन)- घर से बाहर सामान लेने निकली 9 वर्षीय बालिका के लापता हो जाने की घटना सामने आयी है। पीड़ित पिता ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग की है। कस्बे के मोहल्ला गांधीनगर में सिंह वाहिनी मंदिर के समीप रहने वाले ख्यालीराम ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी बेटी सोनाक्षी (9) रामलला मंदिर के समीप एक संस्था के भवन में चलने वाली निःशुल्क कोचिंग में पढ़ने जाती थी लेकिन शुक्रवार को वह कोचिंग नहीं गई और पूरा दिन घर पर ही रही। उसी शाम वह घर से बाहर कुछ सामान लेने निकली थी जिसे पड़ोसियों ने भी जाते हुए देखा था लेकिन इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है। आसपास काफी खोजबीन की लेकिन अब तक उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका है। पीड़ित पिता ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग पुलिस से की है। वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लापता बालिका की तलाश तेज कर दी है।

श्रीभूमि के सीवीपी हायर सेकेंडरी स्कूल में ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा सीवीपी हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का समापन समारोह गत 31 जुलाई को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यशाला में भाग लेने वाले 99 विद्यार्थियों को जिला आयुक्त के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। चित्रकला, नृत्य, संगीत सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को यह प्रमाणपत्र दिया गया। समारोह में जिला परिषद सदस्य प्रणब मुखर्जी विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा असम प्रदेश समिति के सदस्य उमाशंकर बनिया, विद्यालय के प्राचार्य देवाशीष सिन्हा, सेवानिवृत्त प्राचार्य ब्रजगोपाल सिन्हा, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मृणाल कांति सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक शामिल थे। कार्यशाला में आशुतोष सिन्हा, रुहित दास और पीयूष सिन्हा ने प्रशिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दीं। मुख्य संयोजक मनोरंजन सिन्हा (राणु) के संचालन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह की शुरुआत दिवंगत नृत्यगुरु वीरेश्वर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक मिनट का मौन रखकर की गई। समापन समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी प्रशिक्षकों, अभिभावकों, अतिथियों तथा स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया और सरकार की इस पहल को आगे बढ़ाने में अभिभावकों से निरंतर सहयोग की अपील की।

35 वर्ष की सेवा के बाद शिखा नेहरा सेवानिवृत्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ। पंजाब के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की संयुक्त निदेशक शिखा नेहरा 35 वर्ष की उत्कृष्ट एवं समर्पित सरकारी सेवा के बाद गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गई। उनके सम्मान में विभाग की ओर से भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों तथा परिजनों ने उनके लंबे सेवाकाल और विभाग के प्रति योगदान को याद करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। राज्य मीडिया प्रमुख बलतेज सिंह पन्नू ने कहा कि शिखा नेहरा ने पूरी सेवा अवधि में ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ कार्य किया। उनका योगदान विभाग और आने वाली पीढ़ियों के जनसंपर्क अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री के मीडिया ओएसडी अमनजोत सिंह ने उन्हें युवा अधिकारियों के लिए आदर्श बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने अनुभव और मार्गदर्शन से अनेक अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। विभाग के विशेष सचिव-सह-निदेशक पुनीत गोयल ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कार्यकुशलता, विनम्र व्यवहार और जनसेवा के प्रति समर्पण को विभाग हमेशा याद रखेगा। उन्होंने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की कामना की। अपने विदाई संबोधन में शिखा नेहरा ने बताया कि उन्होंने वर्ष 1991 में सहायक जनसंपर्क अधिकारी के रूप में सेवा शुरू की थी। उन्होंने विभाग में तकनीकी बदलावों और जनसंपर्क के क्षेत्र में आए सकारात्मक परिवर्तनों को याद करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समारोह के अंत में विभाग की ओर से शिखा नेहरा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप सचिव दीपांकर गर्ग, अतिरिक्त निदेशक रणदीप सिंह अहलूवालिया, संयुक्त निदेशक प्रीत कंवल सिंह, इशविंदर सिंह ग्रेवाल, मनविंदर सिंह, उपनिदेशक रशिम वर्मा, रुचि कालरा, नवदीप सिंह गिल, प्रभदीप सिंह, हाकम थापर, शेरजंग सिंह हुंदल, नरिंदर पाल सिंह जगदेव सहित विभाग के अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ राष्ट्रीय सम्मेलन आज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला। महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब खेल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) पुष्पिंदर सिंह गिल ने बताया कि पंजाब एवं हरियाणा के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया शुक्रवार को राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित 'नशे के खिलाफ जंग' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सम्मेलन में प्रो. अशीम कुमार घोष भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रेसवार्ता में कुलपति ने बताया कि सम्मेलन का आयोजन महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब खेल विश्वविद्यालय, जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विश्वविद्यालय तथा पंजाबी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य नशे की बढ़ती समस्या पर गंभीर चर्चा करते हुए शिक्षा संस्थानों, विधिक जागरूकता, खेल, पुनर्वास और समाज की भागीदारी के माध्यम से प्रभावी रणनीति तैयार करना है। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की सक्रिय भूमिका की भी सराहना की। प्रो. गिल ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी युवाओं में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने, निवारक शिक्षा को प्रोत्साहित करने, शोध को बढ़ावा देने तथा नशामुक्ति और पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करने की है। उन्होंने कहा कि खेल, विधिक शिक्षा, सामाजिक संगठनों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदाय के सामूहिक प्रयासों से ही पंजाब को नशामुक्त, स्वस्थ और समृद्ध राज्य बनाया जा सकता है। इस अवसर पर सम्मेलन की प्रशासनिक सचिव डॉ. जसलीन केवलानी, डीन (शैक्षणिक) डॉ. नरेश कुमार वत्स, डीन (शोध) डॉ. कमलजीत कौर, प्रबंधन समिति के सदस्य एवं संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

एमपी लीड फेलोशिप' के युवा प्रतिभागियों से केंद्रीय राज्य मंत्री निमुबेन बंभानिया का संवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद डॉ. अजीत गोपछड़े की अभिनव पहल 'एमपी लीड फेलोशिप' के अंतर्गत चयनित 40 युवा फेलो ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन जयंतिभाई बंभानिया से उनके सरकारी आवास पर औपचारिक एवं विचारोत्तेजक संवाद किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के प्रतिभाशाली युवाओं को संसदीय प्रक्रियाओं, प्रशासनिक कार्यप्रणाली, सुशासन तथा लोक नीति निर्माण की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में प्रभावी भूमिका निभा सकें। संवाद के दौरान युवा फेलो ने महिला नेतृत्व, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), पारदर्शी शासन, लोक नीति, आपदा प्रबंधन तथा विकसित भारत-2047 के विज़न से जुड़े अनेक विषयों पर केंद्रीय राज्य मंत्री से सवाल पूछे। श्रीमती बंभानिया ने अपने सार्वजनिक जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजनीति केवल पद या प्रतिष्ठा प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की योजनाएं पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि जनसेवा में ईमानदारी, पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है। महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता एक मजबूत और समृद्ध समाज की आधारशिला है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों तथा 'लखपति दीदी' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने देशभर में लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे निरंतर सीखने की भावना बनाए रखें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। सार्वजनिक जीवन में आने के इच्छुक युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शुरुआती वर्षों में अधिक सुनना, सीखना और समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को समझना सबसे आवश्यक है। उन्होंने सलाह दी कि किसी भी विषय पर अपनी राय तथ्यों के आधार पर रखें तथा समय प्रबंधन को अपनी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाएं। उनके अनुसार समय का सदुपयोग और कठिन परिस्थितियों में संयमित निर्णय लेने की क्षमता ही सफल नेतृत्व की वास्तविक पहचान है। निर्णय लेने की प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्णय लेते समय पहली प्राथमिकता जनहित, दूसरी नैतिक मूल्यों का पालन और तीसरी व्यावहारिक परिस्थितियों का समुचित आकलन होना चाहिए। उन्होंने कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर समयबद्ध और प्रभावी निर्णय लेकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सफलतापूर्वक सामना किया। खाद्य सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के विषय पर उन्होंने कहा कि किसी भी संकट की स्थिति में गरीबों का राशन नहीं रुकना चाहिए। उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में तीन माह का अग्रिम राशन उपलब्ध कराया जाता है।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, असम सहित अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक माध्यमों से भी खाद्यान्न पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि आधार आधारित ई-पॉस उपकरण, 'वन नेशन, वन राशन कार्ड', 'आशा पोर्टल' तथा 'मेरा राशन' मोबाइल ऐप जैसी पहलों ने राशन वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और लाभार्थी-केंद्रित बनाया है। उन्होंने कहा कि इन तकनीकी सुधारों से फर्जीवाड़े पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है और शिकायतों के त्वरित समाधान में भी सहायता मिली है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' योजना देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। विकसित भारत-2047 के विज़न पर अपने विचार रखते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2047 तक भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली पारदर्शिता, आधुनिक तकनीक, विश्वास और सेवाभाव के आधार पर दुनिया के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित होगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. अजीत गोपछड़े ने कहा कि 'एमपी लीड फेलोशिप' का उद्देश्य युवाओं को नीति-निर्माण की प्रक्रिया, संसदीय कार्यप्रणाली और शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली को निकट से समझने तथा सीखने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के संवाद युवाओं को प्रेरित करेंगे और वे विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में पिपिंग सेरेमनी आयोजित

सेवानिवृत्त 202 पुलिसकर्मियों को प्रदान की गई मानद पदोन्नति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श ऑडिटोरियम में शुक्रवार को भव्य पिपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति के दिन 202 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाकाल के सम्मान स्वरूप अगले उच्च पद की मानद पदोन्नति (ऑनरेरी रैंक) प्रदान की गई। समारोह की अध्यक्षता दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार (आईपीएस) ने की। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर कांस्टेबल से लेकर उपनिरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) तक के सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को अगले उच्च पद के बैज पहनाकर सम्मानित किया।अपने संबोधन में पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस और देश की सेवा में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा अत्यंत चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा कार्य है, जहां हर दिन नई परिस्थितियों और कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद इन अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे सेवाकाल में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, दक्षता और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्य के कारण अक्सर परिवार को पर्याप्त समय नहीं दे पाना पड़ता है। ऐसे में उनके परिवारों का सहयोग, धैर्य और त्याग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पुलिस आयुक्त ने सभी परिजनों का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना पुलिसकर्मी अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन नहीं कर सकते थे। पुलिस आयुक्त ने सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि अब उन्हें अपने जीवन के उन सपनों, रुचियों और व्यक्तिगत आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर मिलेगा, जिन्हें व्यस्त सेवाकाल के दौरान समय के अभाव में पूरा नहीं किया जा सका। उन्होंने आश्वस्त किया कि सेवानिवृत्ति के बाद भी वे दिल्ली पुलिस परिवार का अभिन्न हिस्सा रहेंगे और आवश्यकता पड़ने पर संगठन हर संभव सहयोग के लिए उनके साथ खड़ा रहेगा। समारोह के दौरान कुल 202 पुलिसकर्मियों को मानद पदोन्नति प्रदान की गई। इनमें हेड कांस्टेबल से सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर 7, सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) से उपनिरीक्षक (एसआई) के पद पर 37 तथा उपनिरीक्षक (एसआई) से निरीक्षक (इंस्पेक्टर) के पद पर 158 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।समारोह का समापन संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) सुमन गोयल (आईपीएस) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस के अनेक वरिष्ठ अधिकारी, सम्मानित किए गए सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी तथा उनके परिवारजन उपस्थित रहे। सम्मान और गौरव से परिपूर्ण यह समारोह सभी के लिए यादगार बन गया।

श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक

पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को दिया गया प्रभावी निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। पुलिस आयुक्त प्रयागराज पीयूष मोर्डिया की अध्यक्षता में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ0 अजय पाल शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय विजय ढुल, के साथ रिजर्व पुलिस लाइन्स में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण व श्रावण मास/कांवड़ यात्रा के सम्बन्ध में गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी में जिले के समस्त पुलिस उपायुक्त, समस्त सहायक पुलिस आयुक्त, समस्त थाना प्रभारी एवं पुलिस की विभिन्न शाखाओं के प्रभारी भी भाग लिए जिन्हें कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने और कावड़ यात्रा को लेकर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। ड्यूटी में लगे पुलिस बल द्वारा कांवड़ियों के साथ सौम्य व्यवहार किया जाये, एवं उनका सहयोग किया जाये यात्रा मार्गों पर साइन बोर्ड लगाये जाये जिससे कांवड़ियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कांवड़ यात्रा के मार्गों का निरीक्षण/भ्रमण निरंतर करते रहें। डिवाइडर के मध्य में यदि कहीं पर अवैध कट हो तो उसे तत्काल बंद किया जाये। यात्रा मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाये एवं पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सीसीटीवी, ड्रोन इत्यादि के माध्यम से कांवड़ मार्गों की सतत निगरानी करते हुये कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। यात्रा के दौरान कांवड़ियों द्वारा लाउडस्पीकर का प्रयोग निर्धारित ध्वनि सीमा में ही किया जाये। घाटों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाये एवं सतत निरीक्षण सुनिश्चित किया जाये। तैनात पुलिस बल द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम से निरंतर आवश्यक निर्देश दिये जाते रहें एवं जगह-जगह पर आवश्यकतानुसार साइन बोर्ड/फ्लोटिंग बैरियर लगाये जायें। अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा यात्रा मार्ग में पड़ने वाले शिविर, विश्राम गृहों का भ्रमण कर व्यवस्थापन का निरीक्षण कर लिया जाये। निर्देशित किया गया कि यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत रूट डायवर्जन के सम्बन्ध में ट्रक एसोसिएशनों से वार्ता कर ली जाये एवं एवं डायवर्जन प्वाइंट एवं पेट्रोल पंप/ढाबों पर रूट डायवर्जन के सम्बन्ध में साइन बोर्ड लगाये जाये जिससे कि कोई भी वाहन कांवड़ यात्रा मार्ग पर न आ सके। आयुक्त द्वारा थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि थाने पर आने वाले आगंतुकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना जाये एवं शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। पुलिस द्वारा आगंतुकों के साथ सौम्य व्यवहार किया जाये। समस्त सहायक पुलिस आयुक्त/थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में स्थित बाजार व भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर नियमित पैदल गश्त व संदिग्धों की चेकिंग करना सुनिश्चित करें।

शॉर्ट सर्किट से छप्परपोश पशुशाला में लगी आग में भैंस की जलकर मौत, बैल झुलसा

आग की चपेट में आने से एक भैंस की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बैल गंभीर रूप से झुलस गया। मवेशियों को बचाने के प्रयास में गृहस्वामी का पुत्र भी घायल हो गया। जानकारी के अनुसार ग्राम हमीरपुर निवासी नरेश पुत्र गोधन के छप्परपोश पशुशाला में शनिवार सुबह अचानक विद्युत शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे छप्पर को अपनी चपेट में ले लिया। उस समय छप्पर के नीचे एक भैंस और एक बैल बंधे हुए थे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। शॉर्ट सर्किट से छप्परपोश पशुशाला में आग लग गई। जिसमें एक भैंस की जलकर मौत हो गई, वहीं एक बैल बुरी तरह झुलस गया। आरोप है कि सूचना के बावजूद भी कोई जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंचा। पीड़ित परिवार ने आग लगने से हुई क्षति के चलते मुआवजे की मांग की है। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम हमीरपुर में शनिवार सुबह तड़के विद्युत शॉर्ट सर्किट से एक छप्परपोश पशुशाला में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से एक भैंस की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बैल गंभीर रूप से झुलस गया। मवेशियों को बचाने के प्रयास में गृहस्वामी का पुत्र भी घायल हो गया। जानकारी के अनुसार ग्राम हमीरपुर निवासी नरेश पुत्र गोधन के छप्परपोश पशुशाला में शनिवार सुबह अचानक विद्युत शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे छप्पर को अपनी चपेट में ले लिया। उस समय छप्पर के नीचे एक भैंस और एक बैल बंधे हुए थे। आग इतनी तेजी से फैली कि भैंस बाहर नहीं निकल सकी और उसकी मौके पर ही जलकर मौत हो गई। वहीं बैल गंभीर रूप से झुलस गया। मवेशियों को बचाने के लिए नरेश के पुत्र आदेश ने अपनी जान की परवाह किए बिना आग के बीच घुसकर रस्सियां खोलने का प्रयास किया। इस दौरान वह भी आग की चपेट में आकर झुलस गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों रुपये का नुकसान हो चुका था। आग की घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल विद्युत विभाग और तहसील प्रशासन को सूचना दी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक न तो विद्युत विभाग का कोई अधिकारी मौके पर पहुंचा और न ही तहसील प्रशासन का कोई कर्मचारी। इससे ग्रामीणों में प्रशासन की कार्यशैली को लेकर नाराजगी देखने को मिली।ग्रामीणों का कहना है कि समय पर अधिकारी मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन करते तो पीड़ित परिवार को राहत मिलने की प्रक्रिया शुरू हो सकती थी। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर उचित आर्थिक सहायता और मुआवजा दिलाने की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने भी प्रशासन से ऐसे मामलों में तत्काल राहत उपलब्ध कराने और विद्युत लाइनों की नियमित जांच कराने की मांग उठाई है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

विद्यालय में मातृ सम्मेलन कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रधानाचार्य द्वारा अतिथियों का पटका पहनकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में कक्षा अष्टम की बहन हिमांशी, यशी व सृष्टि के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में शिशु वाटिका प्रमुख आचार्या बहन शिल्पी श्रीवास्तव द्वारा मातृ शति (माता बहनों) को कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके बाद विजय मातृ शतियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की मुय अतिथि अनुसुइया सिंह ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृशक्ति को अपने बच्चों के प्रति जागृत होने के लिए प्रेरित किया।

पूरनपुर (पीलीभीत)। मोहन सरस्वती शिशु, विद्या मंदिर में मातृ सम्मेलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथि परिचय एवं स्वागत प्रधानाचार्य नीरज दीक्षित द्वारा किया गया। प्रधानाचार्य द्वारा अतिथियों का पटका पहनकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में कक्षा अष्टम की बहन हिमांशी, यशी व सृष्टि के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में शिशु वाटिका प्रमुख आचार्या बहन शिल्पी श्रीवास्तव द्वारा मातृ शक्ति (माता बहनों) को कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके बाद विजय मातृ शक्तियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अनुसुइया सिंह ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृशक्ति को अपने बच्चों के प्रति जागृत होने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात कार्यक्रम की मुख्य वक्ता व विद्यालय की कोषाध्यक्ष संगीता सिंगल ने अपने उद्बोधन में मातृशक्ति को बच्चों के प्रति अपने कर्तव्यों व बच्चों की देखभाल के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन आचार्या शिवांगी मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों में डॉ0 अनुसुइया, रेणु खुराना, मधु खंडेलवाल, विद्यालय के अध्यक्ष सत्य प्रकाश पाण्डेय, प्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता व कोषाध्यक्ष संगीता सिंगल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य नीरज दीक्षित ने समस्त अतिथियों व मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया और आगे होने वाले कार्यक्रमों में सहयोग की अपेक्षा की। विद्यालय परिवार की ओर से कार्यक्रम में समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

आरआरबी की लेवल-1 भर्ती परीक्षा को लेकर रेलवे की तैयारियां पूर्ण

सीसीटीवी निगरानी और आरपीएफ जवानों की रहेगी पैनी नजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। भारतीय रेलवे द्वारा स्तर-1 के कुल 22,195 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी और सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु उत्तर मध्य रेलवे तथा रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) प्रयागराज द्वारा व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह विस्तृत परीक्षा 03 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक कुल 16 परीक्षा दिवसों में 48 पारियों (Shifts) में आयोजित की जाएगी। इस राष्ट्रव्यापी परीक्षा अभियान में देशभर के 144 शहरों में स्थित 335 परीक्षा केंद्रों पर 52,39,620 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। आरआरबी/प्रयागराज के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत यह परीक्षा कुल 28 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न कराई जाएगी। इनमें से उत्तर प्रदेश के विभिन्न प्रमुख शहरों-प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, झांसी और मुरादाबाद-में 25 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जबकि शेष 03 केंद्र उत्तराखंड के रुड़की और देहरादून शहरों में बनाए गए हैं। इस व्यापक भर्ती अभियान के माध्यम से उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों एवं वर्कशॉप में 09 श्रेणियों के अंतर्गत कुल 1,183 रिक्त पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

विभिन्न मंडलों के अंतर्गत परीक्षा केंद्रों और वहां तैनात किए जाने वाले रेलवे समन्वयकों (Officers) का विस्तृत विवरण इस प्रकार है:

प्रयागराज मंडलः प्रयागराज मंडल के तहत प्रयागराज शहर में 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां व्यवस्था और पर्यवेक्षण के लिए 16 आवश्यक रेलवे समन्वयकों (अधिकारियों) को तैनात किया गया है। इसी मंडल के कानपुर नगर में 04 परीक्षा केंद्र स्थापित हैं, जिनके लिए 07 रेलवे समन्वयक नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, अलीगढ़ में 02 परीक्षा केंद्रों के सफल संचालन हेतु 04 रेलवे समन्वयकों की ड्यूटी लगाई गई है।

आगरा मंडलः आगरा मंडल के आगरा शहर में कुल 07 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 13 रेलवे समन्वयकों (अधिकारियों) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। झाँसी मंडलः झाँसी मंडल के झाँसी शहर में 01 परीक्षा केंद्र बनाया गया है, जिसके पर्यवेक्षण के लिए 02 आवश्यक रेलवे समन्वयकों की तैनाती की गई है। परीक्षा को बिना किसी बाधा के और शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ आयोजित करने के लिए निम्नलिखित विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं:

1. अधिकारियों की केंद्र समन्वयक के रूप में तैनातीः परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 1 रेलवे अधिकारी को केंद्र समन्वयक (Centre Coordinator) के रूप में तैनात किया गया है, जबकि बड़े परीक्षा केंद्रों पर 2-2 अधिकारियों की तैनाती की गई है।

2. पर्याप्त कर्मचारी बलः अभ्यर्थियों की सहायता, चेकिंग एवं परीक्षा प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए 1:100 के अनुपात में कर्मचारियों को तैनात किया गया है (अर्थात प्रति 100 अभ्यर्थियों पर 1 कर्मचारी)। 3. कंट्रोल रूम एवं 100% CCTV कवरेजः संपूर्ण परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी (CCTV) कैमरों की सीधी निगरानी में रखा जाएगा। कंट्रोल रूम के संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए पर्याप्त संख्या में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवानों की ड्यूटी लगाई गई है।

सड़क पार कर रही महिला को स्कूटी ने मारी टक्कर, गंभीर घायल

निगोहां, लखनऊ। निगोहां कस्बे में सड़क पार कर रही एक महिला को तेज रफ्तार स्कूटी ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद चालक स्कूटी समेत मौके से फरार हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात स्कूटी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

करनपुर निवासी रोशनलाल पुत्र स्वर्गीय शाहबदीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पत्नी कुशमा देवी शुक्रवार को निगोहां स्थित हीरो होंडा एजेंसी के सामने सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान लखनऊ की ओर से तेज गति और लापरवाही से आ रही एक अज्ञात स्कूटी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कुशमा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

ट्रांस शारदा क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को भाकियू (अरा0) ने प्रमुखता से उठाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला उपाध्यक्ष राजबीर सिंह के नेतृत्त्व में शारदा पार क्षेत्र के किसानों व ग्रामीण क्षेत्र के बिजली उपयोक्ताओं की समस्याओं को लेकर पलिया कला के विधुत वितरण खण्ड से जुड़े जनपद पीलीभीत के गांवों की बिजली व्यवस्था सुधारने को अधिशासी अभियन्ता चमन प्रकाश को किसानों की विधुत सप्लाई सम्बन्धित समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंप कर तत्काल जनपद पीलीभीत के ग्रामीण क्षेत्रों की विधुत अपूर्ति शेड्यूल के अनुसार नियमित बिना कटौती के देने की जोरदार मांग की गई। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला उपाध्यक्ष राजबीर सिंह ने कहा कि पिछले एक माह से जनपद-पीलीभीत के ग्रामीण क्षेत्रों की पलिया कलां विधुत वितरण खण्ड से जनपद-पीलीभीत के ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राम नहरोसा फार्म, चकलाऊवा फार्म, लगदान, परसपुर, बाजपुर, पतेडा, आदि गाँवों में दिन-रात अवैध विधुत कटौती हो रही है। पलिया कलां विधुत वितरण खण्ड के अधिकारियों से कई बार मौखिक व टेलीफोन के माध्यम खराब बिजली सप्लाई व्यवस्था से अवगत कराया गया, लेकिन विधुत अपूर्ति की व्यवस्था में कोई सुधार नही हुआ। आज इसी गंभीर समस्या को लेकर विधुत वितरण खण्ड के अधिशासी अभियन्ता चमन प्रकाश को ज्ञापन देकर मांग व चेतावनी भी दी गई कि अगर एक सप्ताह तक विधुत सप्लाई की व्यवस्था में सुधार नही हुआ तो संगठन क्षेत्र के किसानों के साथ पलिया कलां के विधुत वितरण खण्ड के अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय पर अनिच्छितकालीन आदोलन शुरु कर दिया जाएगा तथा बिजली सप्लाई समस्या के हल तक जारी रहेगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राजबीर सिंह, धर्मेश कुमार, गुरमेल सिंह, सतनाम सिंह, प्रदीप कुमार, हिम्मत सिंह, हरविंद्र सिंह, मोहित कुमार आदि मौजूद थे।

प्रथम कांवड़ पदयात्रा- सबलपुर से गोला गोकर्णनाथ तक श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। सबलपुर से गोला गोकर्णनाथ तक प्रथम कावड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं का एक जत्था रवाना हुआ। जो कि 3 अगस्त को वापस होने के बाद गोला गोकर्णनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेगा। तहसील क्षेत्र के ग्राम सबलपुर के श्रद्धालुओं की प्रथम कांवड़ पदयात्रा पूरे क्षेत्र में आस्था और उत्साह का केंद्र बनी हुई है। यह पदयात्रा 31 जुलाई 2026, शुक्रवार को माँ गोमती के उद्गम स्थल माधौटांडा से पवित्र गंगाजल लेकर आज शनिवार को छोटी काशी के नाम से प्रसिद्ध गोला गोकर्णनाथ धाम के लिए रवाना हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त भगवान भोलेनाथ के जयकारों के साथ पैदल चल रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 अगस्त 2026, सोमवार को गोला गोकर्णनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। यात्रा के सफल आयोजन में समस्त ग्रामवासी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह प्रथम कांवड़ पदयात्रा गांव के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर है, जिससे युवाओं में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश भी प्रसारित हो रहा है। श्रद्धालुओं ने यात्रा के दौरान अनुशासन, स्वच्छता और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया है।

जनसमस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रीयतावादी) ने सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। भारतीय किसान यूनियन (राष्ट्रीयतावादी) के पदाधिकारियों ने शनिवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में नगर पालिका चौराहे से ब्लॉक रोड होते हुए महिला अस्पताल तक जर्जर सड़क की तत्काल मरम्मत, आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र बिना अवैध वसूली के समय पर जारी करने तथा जन्म प्रमाण पत्र की प्रक्रिया सरल बनाने की मांग की गई। संगठन ने सरकारी अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के साथ होने वाले कथित दुर्व्यवहार, बिजली विभाग द्वारा बढ़ाए गए लोड, अधिक बिजली बिल, प्रीपेड मीटर संबंधी समस्याओं और गरीब उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण की भी मांग उठाई। इसके अलावा आवास योजना में कथित अनियमितताओं की जांच, पात्र गरीबों के राशन कार्ड बनाने, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने तथा जल निगम द्वारा पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो धरना-प्रदर्शन और उग्र आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन के दौरान जिला सचिव इमरान, जिला संगठन मंत्री वसीम बेग सहित आकिल शाह, मोहम्मद आरिफ, इस्तियाक, तौसीफ, शकील, तौफीक, आलीशान, मुरार और सलीम मौजूद रहे।

तहसील समाधान दिवस में गूंजा झील पर अवैध सिंघाड़ा खेती का मामला

.....बिना पट्टे और आवंटन के खेती कराने का आरोप, जांच कर कार्रवाई का प्रशासन ने दिया भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। तहसील समाधान दिवस में शनिवार को हुलासखेड़ा गांव की सैकड़ों बीघे क्षेत्रफल वाली झील में बिना सरकारी आवंटन और पट्टे के कथित रूप से कराई जा रही सिंघाड़े की खेती का मामला उठाया गया। ग्रामीण ने शिकायत पत्र देकर आरोप लगाया कि गांव के कुछ दबंग और दलाल बाहरी लोगों से मोटी रकम लेकर झील में अवैध रूप से सिंघाड़े की खेती करा रहे हैं। इससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचने के साथ ग्रामीणों के हित भी प्रभावित हो रहे हैं। हुलासखेड़ा निवासी राज त्रिवेदी ने समाधान दिवस में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव की झील वर्षों से ग्रामीणों के मवेशियों के चरने का प्रमुख स्थान रही है। आरोप है कि बिना किसी वैध सरकारी आवंटन या पट्टे के कुछ लोग बाहरी व्यक्तियों से धन लेकर झील में सिंघाड़े की खेती करा रहे हैं। खेती के दौरान ट्रैक्टर चलने से मवेशियों के लिए उपलब्ध चारा भी नष्ट हो गया है, जिससे पशुपालकों के सामने संकट खड़ा हो गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि वर्ष 2022 से इस मामले की शिकायत हल्का लेखपाल, कानूनगो सहित संबंधित अधिकारियों से लगातार की जा रही है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि प्रशासनिक निष्क्रियता के कारण अवैध कब्जा और खेती का सिलसिला जारी है, जिससे सरकार को राजस्व की क्षति हो रही है और ग्रामीणों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। शिकायत पत्र में मांग की गई है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर बिना आवंटन और पट्टे के झील में सिंघाड़े की खेती कराने वाले लोगों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाए। साथ ही सरकारी भूमि को अवैध कब्जे और खेती से मुक्त कराकर ग्रामीणों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। समाधान दिवस में शिकायत मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मांगें पूरी न होने पर 05 अगस्त से अतिरिक्त कार्यों के बहिष्कार की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। मांगे पूरी न होने पर 05 अगस्त से अतिरिक्त कार्यों के बहिष्कार की चेतावनी देते हुए लंबित मांगों के समाधान की मांग को लेकर लेखपाल संघ ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से राजस्व परिषद को एक ज्ञापन भेजा है। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ तहसील उपशाखा पूरनपुर ने अपनी लंबित एवं न्यायोचित मांगों के समाधान को लेकर उपजिलाधिकारी के माध्यम से राजस्व परिषद को ज्ञापन भेजा। संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो 05 अगस्त 2026 से प्रदेशभर के लेखपाल अतिरिक्त हल्कों में कार्य करने का बहिष्कार करेंगे।ज्ञापन में संघ ने अंतर्मंडलीय स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल पुनः खोलने, वर्ष 2025-26 की लंबित पदोन्नति सूची जारी करने, वर्ष 2024 की विभागीय परीक्षा का परिणाम एवं प्रशिक्षण प्रमाणपत्र घोषित करने, स्टेशनरी, वाहन और विशेष भत्तों में वृद्धि, भूलेख कार्यालयों व अन्य पटलों से संबद्ध लेखपालों को कार्यमुक्त करने तथा ग्राम सचिवालयों में पर्याप्त आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए बिना रोस्टर लागू न करने की मांग उठाई। संघ का कहना है कि बढ़ते कार्यभार, संसाधनों की कमी और अतिरिक्त जिम्मेदारियों के कारण लेखपालों में असंतोष व्याप्त है। यदि शासन स्तर पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 05 अगस्त से अतिरिक्त हल्कों का कार्य बंद कर संबंधित अभिलेख तहसील एवं राजस्व निरीक्षक कार्यालय में जमा कर दिए जाएंगे। साथ ही भविष्य में ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार पर भी विचार किया जाएगा। संघ ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य जनहित प्रभावित करना नहीं, बल्कि वर्षों से लंबित मांगों के समाधान की ओर शासन का ध्यान आकर्षित करना है।